MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd

Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 17 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-313

राहुल मेरा नाम!

सास इंदिरा से नाम पर ठनी थी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की चर्चित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' का सोमवार को दिल्ली में औपचारिक विमोचन किया गया। इस अवसर पर सोनिया गांधी ने अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं को साझा किया। उन्होंने कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात, प्रेम, विवाह के लिए परिवार की सहमति और दिल्ली में बिताए शुरुआती दिनों से जुड़े अनुभव सुनाए।

सोनिया गांधी ने बताया कि उन्होंने यह पुस्तक लिखने का निर्णय क्यों लिया। उन्होंने कहा कि उनकी सास, पति और बेटे के बारे में बहुत कुछ कहा जा रहा था। ऐसे में उन्हें लगा कि अब अपनी भावनाओं और जीवन के अनुभवों को सामने रखने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक को पाठकों से मिले प्यार और प्रतिक्रिया से वह अभिभूत हैं।

डायरी नहीं, रखती थीं कुछ जरूरी नोट्स

यह पूछे जाने पर कि क्या वह डायरी लिखती थीं, सोनिया गांधी ने कहा कि उन्होंने कभी नियमित रूप से डायरी नहीं लिखी। हालांकि, अपने राजनीतिक जीवन के दौरान, विशेषकर अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय नेता प्रतिपक्ष रहने के दौरान उन्होंने कुछ नोट्स जरूर बनाए थे। ऐसे नोट्स की संख्या भी केवल चार-पांच ही थी। राजीव गांधी से अपने प्रेम को याद करते हुए सोनिया ने कहा कि उनका रोमांस जादुई था। उन्होंने बताया कि भारत के बारे में उन्हें बहुत कम जानकारी थी और वह यहां केवल राजीव को जानती थीं। भारत में कुछ चीजें उनके लिए चौंकाने वाली थीं, जबकि कुछ बातें समझ से परे थीं। उन्होंने कहा कि वह केवल इतना जानती थीं कि उन्हें राजीव से विवाह करना है और उनके लिए यही काफी था। ▶8पर



गर्लफ्रेंड संग गया वहाँ जहाँ गये थे मम्मी -पापा



कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार, 16 नवंबर 2026 को अपनी संस्मरण पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' का औपचारिक विमोचन किया। इस अवसर पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कैम्ब्रिज में बिताए दिनों की एक निजी और दिलचस्प याद साझा की। राहुल गांधी ने बताया कि एक बार वह अपनी गर्लफ्रेंड को उसी रेस्तरां में लेकर गए थे, जहां उनके माता-पिता और ▶8पर

कतार में अमरिंदर



कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को अपनी पुस्तक बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव'का विमोचन किया। इस विशेष अवसर पर सोनिया गांधी के साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की तस्वीरों ने राजनीतिक गलियारों में खासा ध्यान आकर्षित किया। सोनिया गांधी के ठीक बगल में समाजवादी पार्टी के ▶8पर

रिटेल के बाद थोक 12% के पार

महँगाई डायन



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

देश में आम जनता को महंगाई की दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई दर में तेज उछाल के बाद अब थोक महंगाई दर भी बढ़कर 12 प्रतिशत के पार पहुंच गई है। सोमवार को सरकार की ओर से जारी थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में थोक महंगाई दर 12.29 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके पीछे ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को प्रमुख कारण बताया गया है। इससे पहले अक्टूबर में खुदरा महंगाई भी भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित 2 से 4 प्रतिशत के दायरे को पार करते हुए 6 प्रतिशत से अधिक हो गई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में थोक महंगाई दर सितंबर के 11.39 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी अधिक रहा। विशेषज्ञों ने इसके करीब 12.1 प्रतिशत रहने की आशंका जताई थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को 12 प्रतिशत के पार पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि देश में थोक कीमतें खुदरा कीमतों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। इसकी एक वजह यह भी बताई गई है कि सरकारी ईंधन खुदरा कंपनियों ने ऊर्जा की बढ़ी हुई लागत का केवल एक छोटा हिस्सा ही उपभोक्ताओं पर डाला है। अक्टूबर में ईंधन और ऊर्जा श्रेणी की महंगाई सितंबर के 25.85 प्रतिशत से बढ़कर 32.84 प्रतिशत हो गई। वहीं, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में 70.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ▶8पर

अब मथुरा की बारी

भाजपा चिंतन बैठक में छाया एजेंडा



मथुरा, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने एजेंडे और चुनावी अभियान को धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में मथुरा में सोमवार से भाजपा की दो दिवसीय चिंतन बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा पार्टी के प्रमुख एजेंडे में शामिल किया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इस संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय पर बैठक में गंभीर विचार-विमर्श किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर आगे की रणनीति को लेकर कोई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आ सकता है।

मथुरा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो अनुसंधान केंद्र में आयोजित इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 50 प्रमुख नेता भाग ले रहे हैं।

कार्यकर्ताओं का दबाव, समाधान पर मंथन

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले का जल्द समाधान निकालने को लेकर पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं की ओर से शीर्ष नेतृत्व पर दबाव है। कार्यकर्ताओं की लगातार मांग रही है कि इस विषय पर निर्णायक कदम उठाए जाएं। यही कारण है कि मथुरा की बैठक में यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में है।

चिंतन बैठक में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। वरिष्ठ नेता इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि कानूनी, प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर किस प्रकार आगे बढ़ा जाए, ताकि जनभावनाओं के अनुरूप परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

मथुरा को लेकर बड़े फैसले के संकेत

राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को लेकर हलचल तेज है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे को मुख्य एजेंडे में शामिल करना इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में इस विषय पर कोई महत्वपूर्ण पहल हो सकती है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम के विकास के बाद अब भाजपा का ध्यान मथुरा पर केंद्रित होता दिखाई दे रहा है। पार्टी की यह बैठक धार्मिक मुद्दों के साथ-साथ राजनीतिक रणनीति को भी आगे बढ़ाने का प्रयास मानी जा रही है।

भाजपा की राजनीति में हिंदुत्व का मुद्दा प्रमुख रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम के विकास तक पार्टी ने धार्मिक आस्था को अपनी राजनीतिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है। अयोध्या, काशी और मथुरा तीनों शहर उत्तर प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान से जुड़े हैं। ▶8पर

2027 में तीसरी बार बनाएंगे सरकार



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मथुरा में सोमवार से पार्टी की दो दिवसीय चिंतन बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेश नेतृत्व से जुड़े 54 सदस्य शामिल हुए हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संवाददाता सम्मेलन में पार्टी की चुनावी तैयारियों और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया।

केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था सुधरने के लिए काम किया गया है। भाजपा का लक्ष्य विकसित उत्तर प्रदेश बनाना है और इसे केवल भाजपा ही हासिल कर सकती है।

मथुरा में चल रही बैठक के बीच केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य मंदिर बना है, उसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भी मंदिर बनेगा।

उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से हो या आपसी बातचीत से, लेकिन इसका निर्माण अवश्य होगा। इस मुद्दे पर उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भी निशाने पर लिया। मौर्य ने कहा कि यदि अखिलेश यादव उनके साथ कारसेवा करने आना चाहें तो वे मिलकर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनाएंगे। उन्होंने नारा देते हुए कहा, 'अयोध्या हुई हमारी, अब मथुरा की बारी।' ▶8पर

बिलकिस बानो मामला

दो दोषियों को जमानत

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।



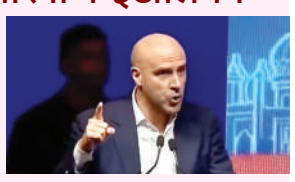
सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए दो लोगों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें सशर्त जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को यह आदेश सुनाया। अदालत ने दोनों दोषियों के 17 साल से अधिक समय जेल में बिताने को जमानत का आधार बनाया।

जमानत पाने वाले दोषियों के नाम बिपिनचंद्र कनैयालाल जोशी और प्रदीप रामनलाल मोढिया हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों को निचली अदालत द्वारा निर्धारित शर्तों के आधार पर रिहा किया जाए। अदालत ने अपने आदेश में यह भी ध्यान दिया कि दोनों में से एक दोषी गंभीर रूप से शारीरिक दिव्यांगता से पीड़ित है। पीठ ने कहा कि दोनों में से एक का नाम प्राथमिकी में शामिल नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया था। सुप्रीम कोर्ट इन दोनों दोषियों की उस अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। ▶8पर

नारा-ए-राहुल विवाद

ब्लैक लिस्टेड था नारेबाज इटालियन

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।



कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगाने वाले इतालवी नेता गियाकोमो फिलिबेक को लेकर नई जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि फिलीपींस ने उन्हें पहले ही प्रतिबंधित कर रखा था। अप्रैल 2018 में फिलीपींस पहुंचने पर उन्हें हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया गया था।

गियाकोमो फिलिबेक आंध्र प्रदेश में आयोजित कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे। इस दौरान यूरोपीय समाजवादियों (पीईएस) के महासचिव फिलिबेक ने भारतीय लोकतंत्र को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और इसे बचाने के लिए राहुल गांधी तथा कांग्रेस के साथ खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ राहुल गांधी के अभियान का समर्थन करते हुए 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत की वकालत की। उन्होंने मंच से कांग्रेस का नारा 'वोट चोर, गद्दी छोड़' दोहराया और उसका अंग्रेजी अनुवाद भी किया। ▶8पर

इमरान खान हताश

जजों से बोले-शायद मैं जिंदा न लौटूं

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।



पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने अपनी सेहत को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अदियाला जेल में बंद इमरान खान ने आशंका व्यक्त की है कि उनकी मौजूदा स्थिति ऐसी हो गई है कि शायद वह जेल से जिंदा वापस नहीं लौट पाएं। उन्होंने सोमवार, 16 नवंबर को पाकिस्तान की संघीय संवैधानिक अदालत, सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को खुला पत्र लिखकर अपने और पत्नी बुशरा बीबी के इलाज की गुहार लगाई है। अपने पत्र में इमरान खान ने लिखा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन अस्पताल बनाने में लगाया, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुफ्त इलाज मिल सके। आज वह केवल इतना चाहते हैं कि उनका और उनकी पत्नी का उचित इलाज कराया जाए। उन्होंने अपनी पत्नी की कमजोर होती आंखों की रोशनी और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल नहीं होने का भी उल्लेख किया। इमरान के अनुसार, एकांत कारावास में रहने के कारण उनका रक्तचाप लगातार बढ़ रहा है। ▶8पर

पूछता है 'इंडिया'

SIR किसका, क्यों बदला फार्म-6

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।



विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों निर्वाचन आयुक्तों और आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ करने की अनुमति मांगी है। कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया में गंभीर खामियां रही हैं, जिनके कारण कथित तौर पर मतदाता सूची में अनियमितताओं और 'वोट चोरी' का रास्ता खुला। विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग से पूछे जाने वाले 48 महत्वपूर्ण सवालों की सूची भी सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की है।

विपक्ष की ओर से उठाए गए प्रमुख सवालों में शामिल हैं-

-कितने फैसलों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त की राय से अन्य दो निर्वाचन आयुक्त असहमत थे?

-पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का फैसला किसने लिया?

-फॉर्म-6 में बदलाव करने का निर्णय किसने लिया?

-ईआरओनेट और ईसीआईनेट को केंद्रीकृत करने ▶8पर



इजरायल के पास 90 परमाणु बम, बना रहा न्यूक्लियर पनडुब्बियां....लेकिन अमेरिका चुप्प

तेलअवीव

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं और 2021 के बाद से उसकी परमाणु वारहेड की संख्या में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। हालांकि, सैटेलाइट तस्वीरों और खुफिया आकलन से पता चलता है कि इजरायल इन परमाणु हथियारों की डिलीवरी के लिए नए कैरियर सिस्टम, जैसे फाइटर जेट्स और सीक्रेट न्यूक्लियर पनडुब्बियों पर तेजी से काम कर रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। सवाल यह उठता है कि जिस अमेरिका ने ईरान को परमाणु बम बनाने के आरोप में प्रतिबंधों से जकड़ दिया, वहीं इजरायल के परमाणु कार्यक्रम पर चुप्पी क्यों साधे हुए है

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल के परमाणु हथियारों के बारे में जानकारी जुटाना अत्यंत मुश्किल रहा है, क्योंकि वह न परमाणु हथियार होने की बात कबूल करता है और न ही इस बात से इंकार करता है। इस नीति को परमाणु अस्पष्टता कहा जाता है। 1986 में, पूर्व न्यूक्लियर साइंटिस्ट ने इंटरव्यू देकर इजरायल के परमाणु कार्यक्रम का खुलासा किया था, जिसके बाद उन्हें अगवा कर 18 सालों तक जेल में रखा गया। कई इजरायली अधिकारियों ने अतीत में विरोधाभासी बयान दिए है, जहां प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इजरायल मध्य पूर्व में पहला परमाणु हथियार वाला देश नहीं होगा, वहीं पूर्व राष्ट्रपति एफ्राइम काज़िर और रक्षा मंत्री मोशे दयान ने संकेत दिया था कि उनके पास बहुत कम समय में इन्हें तैयार करने की क्षमता है। पूर्व प्रधानमंत्री शिमोन पेरेस ने कहा था कि धोखा देना जरूरी हो सकता है यदि यह जान बचाने के लिए हो।

अमेरिका ने इजरायल के परमाणु कार्यक्रम पर दशकों तक पर्दा डालने में मदद की है। अमेरिका का दावा है कि उन्हें इजरायल के नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर के बारे में एक दशक तक पता नहीं था, जबकि इसका निर्माण 1958 में शुरू हुआ था। इजरायल ने अमेरिका को बताया था कि यह भवन आम लोगों के लिए और टेक्सटाइल फैक्ट्री के लिए बन रहे हैं। 1991 में खोजी पत्रकार की किताब द सैमसन आप्शन ने इस धोखे का खुलासा किया था। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका ने जानबूझकर इस पर आंखें बंद रखीं। 1979 में, अमेरिका के सर्विलांस सैटेलाइट वेला 6911 ने हिंद महासागर के दक्षिणी हिस्से में एक परमाणु परीक्षण की दोहरी चमक देखी थी, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने इजरायल के साथ किसी राजनयिक टकराव से बचने के लिए इसकी ज्यादा जांच नहीं की।

अब इस दशकों पुरानी चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। टेक्सास के जोकिन कास्त्रो के नेतृत्व में डेमोक्रेटिक पार्टी के 30 सांसदों ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को चिट्ठी लिखी है, जिसमें इजरायल के परमाणु हथियारों पर चुप्पी तोड़ने की मांग की गई है। सांसदों ने लिखा है, हम एक इसतरह के देश के साथ मिलकर लड़ रहे हैं जिसके संभावित परमाणु कार्यक्रम को आधिकारिक तौर पर अमेरिकी सरकारें स्वीकार ही नहीं करती हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जवाब में कहा कि इस बारे में इजरायल सरकार से संपर्क करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बीएनपी नेताओं के घर, दफ्तर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़, आगजनी



ढाका (बांग्लादेश)। देश के गोपालगंज के तुंगीपाड़ा उपजिला में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उससे जुड़े संगठनों के कई नेताओं और समर्थकों के घरों, पार्टी कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई और उनमें आग लगा दी गई। बीएनपी नेताओं का आरोप है कि दोपहर से उपजिला के अलग-अलग इलाकों में प्रतिबंधित अवामी लीग, जुबो लीग और छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने ये हमले किए। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे डूमुरिया यूनियन के पाकुरतिया बाजार में अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। इसके बाद उन्होंने पाकुरतिया मदरसे के पास बीएनपी समर्थकों के दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी। दोपहर करीब 3:30 बजे एक दूसरा जुलूस निकला। इस दौरान पाटगाती बाजार में जुबो दल के कार्यालय में तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी गई। बताया गया है कि शाम करीब चार बजे हमलावरों ने श्रीरामकांडी में उपजिला स्वेच्छासेबक दल के पूर्व संयोजक जसीम शेख के घर को आग लगाकर फूंक दिया। इसके एक घंटे बाद गवरडांगा के चौरंगी चौराहे पर बीएनपी समर्थक महमूद बिस्वास की एक दुकान में आग लगा दी गई। उसी समय, तुंगीपाड़ा बाजार में नगर बीएनपी के संगठनात्मक सचिव अबू जफर खान के एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में भी तोड़फोड़ की गई। बाद में, रात करीब आठ बजे पाटगाती बाजार में नगर बीएनपी के अध्यक्ष इमदाद मोल्ला के घर में तोड़फोड़ की गई ।

आतंक के आका हाफिज और अजहर को सता रहा भारत का डर, आईएसआई ने बदले अपने ठिया-ठिकाने



इस्लामाबाद। भारत के खिलाफ आतंक की साजिश रचने वाले हाफिज सईद और मसूद अजहर इन दिनों गहरे खौफ में जी रहे हैं। खुफिया सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जान के खतरे को देखते हुए इन दोनों कुख्यात आतंकियों को नए ठिकानों पर स्थानांतरित कर दिया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि इन खूंखार आतंकियों के ठिकाने बदलने के पीछे भारत की तरफ से होने वाले हमले का डर बताया जा रहा है। आईएसआई को डर है कि आपरेशन सिंदूर की तरह सीधे इमारत पर हमला या अननोन गनमैन (अज्ञात हमलावर) के जरिए इन दोनों को निशाना बनाया जा सकता है। आईएसआई ने पिछले हफ्ते ही दोनों की लोकेशन में बदलाव किया है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद को लाहौर से रावलपिंडी स्थानांतरित किया गया है। उसे यहां पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के पास किसी खुफिया जगह पर रखा गया है। दूसरी तरफ जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को भी सिंध प्रांत ले जाया गया है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में मौजूद इन आतंकियों को अब अज्ञात हमलावरों का डर सता रहा है, क्योंकि पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों का लगातार सफाया किया जा रहा है।

ब्रिटिस सरकार ने भारत को दिया बड़ा झटका, भगोड़ों को बनाया जा रहा ब्रिटिश नागरिक

लंदन। भारत में भगोड़ा घोषित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक बन गए हैं। ब्रिटेन सरकार के इस कदम को भारत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खास बात यह है कि विजय माल्या को भी ब्रिटिश नागरिकता दिए जाने की कवायद शुरू होने की चर्चा है। दूसरी ओर, भारत सरकार दोनों को वापस लाने के लिए लंबे समय से प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। हालांकि ललित मोदी और विजय माल्या की विदेशी नागरिकता का मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत दोनों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, किसी व्यक्ति की नागरिकता बदलने से उसके खिलाफ चल रही आपराधिक जांच या प्रत्यर्पण की प्रक्रिया स्वत: खत्म नहीं होती। प्रत्यर्पण का फैसला संबंधित देशों के कानून, उपलब्ध साक्ष्यों और अदालतों की प्रक्रिया के आधार पर होता है। इसलिए ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बावजूद ललित मोदी के भारत लौटने और उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई का मामला अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाओं के तहत ही तय होगा। ललित मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया कि उन्हें 15 सितंबर 2026 को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उन्होंने बताया कि उनकी भारतीय नागरिकता दो साल पहले ही समाप्त हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानुआतु की नागरिकता हासिल की थी, लेकिन बाद में वहां के प्रधानमंत्री ने उनका पासपोर्ट रद्द करवा दिया था। ललित मोदी वर्ष 2010 में भारत छोड़कर लंदन चले गए थे।

चीन ने फोर स्वार्ड्समेन बेड़े में जे-35ए स्टील्थ विमान शामिल किए, तिब्बत में क्या होगा कारगर

बीजिंग

चीन ने अपनी सैन्य रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव कर अपने थ्री स्वार्ड्समेन बेड़े को अब फोर स्वार्ड्समेन में बदल दिया है। इस बड़े रणनीतिक कदम के तहत चीन ने अपने लड़ाकू बेड़े में जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट को शामिल किया है। इसका मुख्य उद्देश्य एक किल चेन नेटवर्क तैयार करना है, जहाँ जे-35ए विमान बिना अपना रडार चालू किए डेटा एकत्र करेगा और जे-10सी तथा जे-16 जैसे विमानों को मिसाइल दागने के लिए सटीक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। यह पहल सेंसर फ्यूजन, डेटा युद्ध और भविष्य की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित लड़ाइयों के लिए चीन की तैयारी को दर्शाती है।

चीन की सरकारी मीडिया ने बताया है कि जे-35ए विमान में एवियोनिक्स, सिचुएशनल अवेयरनेस और हथियार एकीकरण में कई महत्वपूर्ण अपग्रेड किए गए हैं। चीन डब्लूयएस-19 नाम से एक नया टर्बोफैन इंजन भी विकसित कर रहा है, जिसे भविष्य में इन विमानों में लगाया जाएगा। फोर स्वार्ड्समेन रणनीति में जे-20 (भारी स्टील्थ फाइटर), जे-35ए (स्टील्थ फाइटर), जे-10सी (मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट) और जे-16 (भारी मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट) शामिल हैं। यह पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट और 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का एक मिश्रण है, जो युद्ध के समय एकीकृत रूप से काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हालांकि, कागजों पर यह रणनीति बेहद प्रभावी दिखती है, लेकिन तिब्बत जैसे ऊंचे और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में क्रियान्वित करना चीन के लिए मुश्किल भरा साबित हो सकता है। भारतीय वायुसेना के पूर्व पायलट के अनुसार, जे-20 की इंजन क्षमता पर अभी भी सवाल हैं क्योंकि इसमें डब्लयूएस-15 इंजन के अभाव में पुराने इंजन लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में स्टील्थ विमान अपनी पूरी क्षमता से भारी पेलोड के साथ उड़ान नहीं भर पाते और बिना आफ्टरबर्नर के सुपरसोनिक गति में क्रूज करने में उन्हें काफी दिक्कतें होती हैं।

वायुसेना के पूर्व पायलट ने बताया कि तिब्बत में ऊंची पहाड़ियों और कम वायु घनत्व (ल्हासा, शिगात्से जैसे एयरबेस समुद्र तल से 12-14 हजार फीट की ऊंचाई पर हैं) के कारण फाइटर जेट्स के बीच तालमेल बनाना बेहद मुश्किल होता है। जे-35ए की स्टील्थ कोटिंग भी अत्यधिक ठंड और बर्फबारी में जल्द कमजोर पड़ सकती है। किल चेन नेटवर्क के लिए आवश्यक हाई-स्पीड डेटा लिंक द्वारा हिमालय की ऊंची चोटियों के बीच रेडियो सिग्नल भेजना भी एक बड़ी चुनौती है।

इसके विपरीत, भारत के पास कई रणनीतिक लाभ हैं। भारतीय विमान मैदानी इलाकों से उड़ान भरते हैं, जिससे उन्हें परिचालन में आसानी होती है। भारत के राफेल और एसयू-30एमकेआई जैसे फाइटर जेट्स इन चुनौतीपूर्ण हालातों में काफी प्रभावी साबित होगा। पूर्व पायलट का कहना है कि भारत ने स्टील्थ विमानों के अभाव में अपनी इलेक्ट्रानिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) क्षमताओं को काफी मजबूत किया है। भारत के पास इसतरह के रडार हैं जो चीनी विमानों के बीच के संचार प्रणालियों को जाम कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तब चीन की यह महत्वाकांक्षी चौकड़ी पूरी तरह से बिखर सकती है, जिससे उसकी रणनीति को गहरा झटका लगेगा।

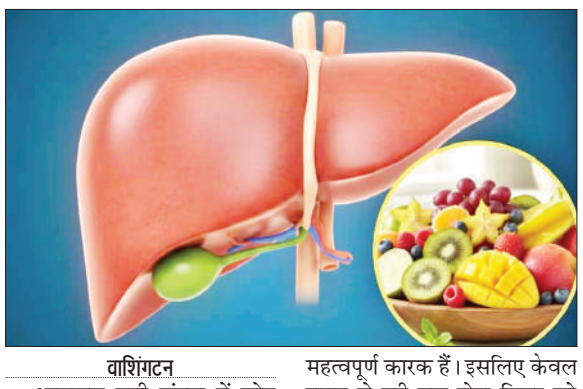


चीन के इंद्रधनुषी पहाड़ अनोखी बनावट के कारण है मशहूर



बीजिंग। चीन के झांगे डेनशिया नेशनल जियोलाजिकल पार्क में मौजूद इंद्रधनुषी पहाड़ अपनी अनोखी बनावट के कारण खास पहचान रखते हैं। इनकी रंगीन परतें दूर से किसी विशाल कालीन जैसी दिखाई देती हैं। इन पहाड़ों को देखकर ऐसा लगता है, जैसे किसी कलाकार ने विशाल कैनवास पर लाल, पीले, नारंगी, हरे और बैंगनी रंगों से खूबसूरत चित्र बना दिया हो। यही वजह है कि इन्हें दुनिया के रेनबो माउंटेन के नाम से जाना जाता है। ये अनोखे पहाड़ चीन के गांसू प्रांत में स्थित हैं। यहां की चट्टानों पर अलग-अलग रंगों की लंबी धारियां दिखाई देती हैं। कहीं लाल रंग की परतें नजर आती हैं, तो कहीं पीले, नारंगी और हरे रंग की लकीरें पहाड़ियों को अनूठा रूप देती हैं। पहाड़ों की यह खूबसूरती सुबह और शाम के समय और भी आकर्षक हो जाती है। सूर्योदय और सूर्यास्त के दौरान जब सूर्य की सुनहरी किरणें इन रंगीन चट्टानों पर पड़ती हैं, तो इनके रंग अधिक चमकदार दिखाई देने लगते हैं। इस समय यहां का नजारा किसी काल्पनिक दुनिया जैसा लगता है। इन पहाड़ों के रंगों के पीछे कोई जादू या कृत्रिम रंग नहीं, बल्कि करोड़ों साल पुरानी भूगर्भीय प्रक्रिया है। लंबे समय तक रेत के पत्थरों और अलग-अलग खनिजों की परतें एक-दूसरे के ऊपर जमा होती रहीं। इन चट्टानों में मौजूद आयरन आक्साइड सहित विभिन्न खनिजों ने इन्हें लाल, पीला और दूसरे रंग प्रदान किए। समय के साथ टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से जमीन की परतों में बदलाव आया और चट्टानों की रंगीन परतें सतह पर दिखाई देने लगीं। इसके बाद हवा और बारिश ने लाखों वर्षों तक इन पहाड़ों को प्राकृतिक रूप से तराशा। इसी प्रक्रिया ने इन्हें आज का अनोखा आकार और रंगीन स्वरूप दिया है। झांगे डेनशिया नेशनल जियोलाजिकल पार्क को देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। यहां बनाए गए व्यूइंग प्लेटफार्म से लोग इन पहाड़ों की खूबसूरती को अलग-अलग कोणों से देख सकते हैं।

गलत खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी से हो रहा फैटी लिवर



वाशिंगटन

आजकल बड़ी संख्या में लोग फैटी लिवर की समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जो शराब का सेवन नहीं करते। फैटी लिवर के प्रमुख कारणों में गलत खानपान, मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी शामिल हैं। फैटी लिवर को पहले मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा जाता था।

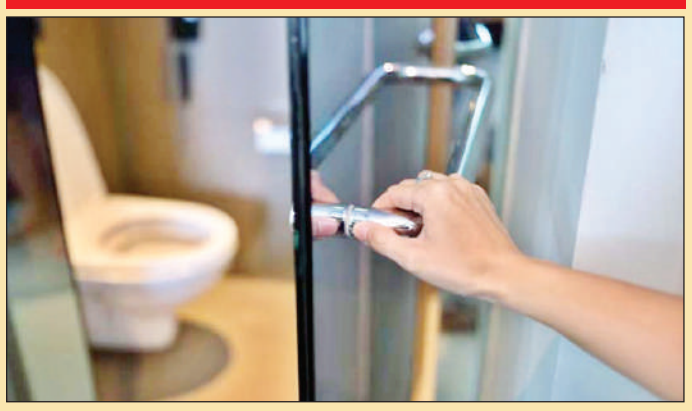
एक अल्कोहलिक फैटी लिवर, जो शराब के अधिक सेवन से जुड़ा होता है, और दूसरा नान-अल्कोहलिक फैटी लिवर, जो शराब नहीं पीने वाले लोगों में भी हो सकता है। इसे नान-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज यानी एनएएफएलडी कहा जाता है। अब इस बीमारी को मेटाबालिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं के आधार पर भी समझा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरों में बदलती जीवनशैली के कारण फैटी लिवर का जोखिम बढ़ रहा है। अधिक तला-भुना और तेल वाला भोजन, जंक फूड, लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करना और नियमित व्यायाम न करना इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं। इसके अलावा खून में फैट की मात्रा अधिक होना भी जोखिम बढ़ा सकता है। डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्राल और हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों में भी फैटी लिवर होने की आशंका अधिक हो सकती है। मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस भी इस समस्या से जुड़े महत्वपूर्ण कारक हैं। इसलिए केवल शराब से दूरी बना लेना लिवर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त नहीं है। फैटी लिवर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते। कई लोगों को लंबे समय तक पता नहीं चलता कि उनके लिवर में चर्बी जमा हो रही है।

कुछ मामलों में लगातार थकान, पेट के ऊपरी हिस्से में असहजता या दर्द, पेट फूलना और पैरों में सूजन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। हालांकि, ये लक्षण दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं में भी हो सकते हैं। इसलिए जांच के बिना बीमारी की पुष्टि नहीं की जा सकती।

समय रहते पहचान होने पर जीवनशैली में बदलाव से स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। इसके लिए संतुलित आहार लेना, वजन नियंत्रित रखना और नियमित व्यायाम करना जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट पैदल चलना या अपनी क्षमता के अनुसार शारीरिक गतिविधि करना मददगार हो सकता है। जंक फूड और अत्यधिक तेल वाले भोजन से दूरी बनाना भी फायदेमंद है।

समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से फैटी लिवर और इससे जुड़े अन्य जोखिमों का पता लगाया जा सकता है। यदि इस समस्या को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए, तो कुछ लोगों में लिवर की सूजन और नुकसान बढ़ सकता है।

केवल बाथरूम का दरवाजा बंद करना संक्रमण से बचने की गारंटी नहीं



लंदन। बाथरूम का दरवाजा बंद रखना आमतौर पर अच्छी आदत माना जाता है। इससे बदबू बाहर नहीं आती और घर में साफ-सफाई बनी रहती है। लेकिन हालिया शोध इस धारणा पर सवाल उठाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, फ्लश करने के दौरान टायलेट से बेहद छोटे कण हवा में फैलते हैं। इन्हें एयरोसोल कहा जाता है। इन कणों में बैक्टीरिया और दूसरे सूक्ष्मजीव मौजूद हो सकते हैं, जो कुछ समय तक हवा में बने रह सकते हैं। 2025-2026 के दौरान भवन और पर्यावरण से जुड़ी एक स्टडी में बताया गया कि फ्लश करने पर पैदा होने वाले एयरोसोल बाथरूम के अंदर फैल सकते हैं। यदि कमरे में हवा के आने-जाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, तो ये कण लंबे समय तक वातावरण में मौजूद रह सकते हैं। ऐसे में लगातार बंद रहने वाला बाथरूम इनके जमा होने की आशंका बढ़ा सकता है। हाल ही में किए गए एक सिमुलेशन अध्ययन में भी कम वेंटिलेशन वाले बंद स्थानों में एयरोसोल कणों के जमा होने की संभावना बताई गई। इसका अर्थ है कि केवल दरवाजा बंद कर देना संक्रमण से बचाव की गारंटी नहीं है। बाथरूम में हवा का सही प्रवाह होना भी जरूरी है। इन सूक्ष्म कणों का असर केवल हवा तक सीमित नहीं रहता।

खैबर पख्तूनख्वा के पांच जिलों में महीने भर के लिए धारा 144 लागू

पेशावर (खैबर पख्तूनख्वा) पाकिस्तान

खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के बन्नू, बजौर, लक्की मरवत, स्वाबी और टैंक जिलों के प्रशासन ने एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी है। यह आदेश कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को देखते हुए जारी किया गया। इन पांच जिलों में से बन्नू, बजौर और टैंक उन 12 जिलों में शामिल हैं, जहां सुरक्षा की गंभीर चुनौतियां हैं और वहां विशेष आपातकालीन उपाय लागू किए गए हैं।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बजौर में जिला प्रशासन ने 30 दिनों के लिए सभी तरह की राजनीतिक सभाओं, राज्य के खिलाफ नफरत भरे भाषण (हेट स्पीच) देने और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। बजौर के उपायुक्त अदनान फरीद अफरीदी ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए इन प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि लोगों की जान-माल की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाना जरूरी है।

आदेश में कहा गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अधिक सतर्क रहना होगा। साथ ही, जिले में आने-जाने के रास्तों पर सुरक्षा बढ़ानी होगी और सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत सभाओं को रोकना होगा। चेतावनी दी गई है कि जो कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करेगा, उसे पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 188 तहत दंडित किया जाएगा।

अक्टूबर में भी सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बजौर में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने पर 10 दिनों के लिए रोक लगा दी थी। बन्नू में वाहनों की खिड़कियों पर काली फिल्म लगाने पर भी रोक है। एक अलग आदेश के अनुसार, बन्नू में भी इसी अवधि के लिए धारा 144 लागू की गई है। इस बीच, स्वाबी में डीसी नसरुल्ला खान ने तत्काल प्रभाव से एक महीने के लिए सार्वजनिक सभाओं, रैलियों, जुलूसों, मार्च और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी है। उधर, प्रतिबंध लागू होने के बावजूद जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फ़जल के कार्यकर्ताओं ने करनैल शेर खान चौक पर विरोध प्रदर्शन किया।

लक्की मरवत में दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने पर भी रोक लगाई गई है। डीसी शाहिद रफीक ने जिले की सीमा के भीतर सार्वजनिक सभाओं, जुलूसों, रैलियों, जमावड़ों और मार्च पर एक महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश के अनुसार, ये प्रतिबंध जिला पुलिस अधिकारी के अनुरोध पर लगाए गए हैं। उधर, टैंक में डीसी जमशेद खान ने एक अधिसूचना जारी कर सार्वजनिक सभाओं, रैलियों और जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बन्नू के बोर्ड आफ इंटरमीडिएट एंड सेकेंडरी एजुकेशन ने पूरे उत्तरी वजीरिस्तान में इंटरमीडिएट की सालाना परीक्षा स्थगित कर दी है। खैबर पख्तूनख्वा लंबे समय से आतंकवादी हमलों और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। पिछले महीने बाजौर में आतंकवादियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला किया।



ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट भेजा

वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) भेजा है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में अमेरिका के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात हो गए हैं। इससे मिडिल ईस्ट में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी और मजबूत हो गई है।

एक्सिओस, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रूजवेल्ट अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के क्षेत्र में पहुंचा। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो एयरक्राफ्ट कैरियर इस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे थे। अब थियोडोर रूजवेल्ट के पहुंचने से इनकी संख्या तीन हो गई है। एयरक्राफ्ट कैरियर समुद्र में बड़े सैन्य अड्डे की तरह होता है। इससे लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं और सैन्य अभियान चलाए जा सकते हैं। इसके साथ युद्धपोतों का एक समूह भी रहता है, जिसे कैरियर स्ट्राइक ग्रुप कहा जाता है।

थियोडोर रूजवेल्ट को अमेरिका ने ऐसे समय पर भेजा है, जब उसका ईरान के साथ तनाव बढ़ रहा है। ईरान ने सप्ताहांत दावा किया कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया था कि उसने बहरीन में अमेरिका के शुरुआती चेतावनी देने वाले रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचने के ईरान के दावे को खारिज कर दिया। अमेरिका ने कहा कि उसकी सेना ने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को बीच रास्ते में ही रोक लिया था।

इस तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर के पहुंचने की पुष्टि के बावजूद अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) और अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने इसकी तैनाती की समय सीमा की आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। सेंटकाम मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना के अभियानों की निगरानी करता है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि अमेरिका अपने तीनों एयरक्राफ्ट कैरियर इस क्षेत्र में कितने समय तक तैनात रखेगा। मध्य पूर्व में थियोडोर रूजवेल्ट के साथ अब यूएसएस जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश और यूएसएस जार्ज वाशिंगटन मौजूद हैं।



ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेशमंत्री काजेम गरीबाबादी का कहना है कि तेहरान अमेरिका के पहले हमला करने का इंतजार नहीं करेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि हो सकता है कि वाशिंगटन कूटनीति के जरिए समय खींच रहा हो, ताकि वह एक और हमले की तैयारी कर सके।

बहरीन में अमेरिकी दूतावास ने वहां मौजूद अपने नागरिकों के लिए एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इसमें उन्हें ईरान और हूती की ओर से होने वाले हमलों के खतरे के प्रति आगाह किया गया है। यह अलर्ट तब आया है जब मनामा ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरानी हमलों को नाकाम कर दिया।

मनामा ने इन हमलों को तेहरान की सुनियोजित आक्रामकता का हिस्सा बताया है। ईरान की नौसेना का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दो टैंकर नौसैनिक माइन्स (समुद्री बारूदी सुरंगों) की चपेट में आ गए, जिससे उनमें आग लग गई। हाल के दिनों में इस तरह की यह सातवीं घटना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से वह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप ख़ाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फ़र्मायें। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिगागी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज ख़ाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 नवंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 06:06 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 04:35 तक
योग : वृद्धि प्रातः 07:53 तक
करण : विष्टि सायं 05:18 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 03:30 तक
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गोपाष्टमी , दुर्गाष्टमी, भद्रा सायं 05:16 तक , पंचक सायं 03:30 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बाल दिवस पर अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन

काव्य कौमुदी के आयोजन में 70 से अधिक कवियों ने विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुत कीं रचनाएँ



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाल दिवस के उपलक्ष्य में काव्य कौमुदी संस्था की ओर से 14 नवंबर, शनिवार को दो चरणों में अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इसमें देश-विदेश के 70 से अधिक कवियों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी काव्य प्रतिभा का परिचय दिया।

संस्था की अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने बताया कि विभिन्न देशों के कवियों ने अपने-अपने समय के अनुसार सम्मेलन में भाग लिया। मुख्य सलाहकार मीना चौहान (अमेरिका) ने कहा कि विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान आवश्यक है, क्योंकि भाषाएँ मानवीय अभिव्यक्ति और साहित्य को समृद्ध बनाती हैं। सांस्कृतिक प्रमुख मौऊ मल्लिक दे ने भाषाओं को सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए उनके संरक्षण पर बल दिया। प्रथम सत्र की मुख्य अतिथि डॉ. मंजुला अस्थाना महंती (भुवनेश्वर) तथा विशिष्ट अतिथि अभिनेता एवं कवि आकाश नायक (मुंबई) थे। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. दिलीश एस. (केरल) तथा विशिष्ट अतिथि सबिता साहू (ब्रह्मपुर) और सुदीप्ता मिश्रा (जगन्नाथ पुरी) रहीं।

दोनों सत्रों का शुभारंभ हैदराबाद के कर्नाटक संगीत कलाकार उदय श्री द्वारा प्रस्तुत भजनों से हुआ। सम्मेलन का संचालन डॉ. कुमुद बाला ने किया। धन्यवाद ज्ञापन हयात अफ्जा (मैसूर) तथा मौऊ मल्लिक दे (हैदराबाद) ने किया।

सम्मेलन में उदय श्री, सुदीप्ता मिश्रा, डॉ. मंजुला अस्थाना महंती, हयात अफ्शां, आकाश नायक, राजीव मूठेदथ, बंदिता दास, सबिता साहू, डॉ. श्रीधरन पाराकोड, मीना चौहान, डॉ. पारमिता मुखर्जी मल्लिक, रश्मि जसवाल, पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोई, गणेश चंद्र बिसोई, ए. मालाविजी, द्वी वाहेयू कैंड्रा देवी (इंडोनेशिया), अली शायदा, भार्गवी रघुराम, शातकर्णी घोष, डॉ. जोबा मुर्मू, डॉ. दिलीश एस., कुमारी बाला सरस्वती, डॉ. रूपाली सिरकर गौर, सीमा साहू, जयश्री रे, डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, मौऊ मल्लिक दे एवं डॉ. कुमुद बाला सहित अनेक कवियों ने विभिन्न भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में काव्य पाठ किया।

30 से अधिक घाटों पर छठ महापर्व संपन्न

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के तत्वावधान में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक छठ घाटों पर चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।



हजारों छठव्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

रविवार को संध्या अर्घ्य के अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी छठ पूजा में शामिल होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह एवं कार्यकारिणी मंडल के मार्गदर्शन में विभिन्न घाटों पर पूजा, स्वच्छता, प्रकाश एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए गए। एसोसिएशन ने आयोजन में सहयोग देने वाली सभी पूजा समितियों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज का दीपावली स्नेह मिलन अन्नकूट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

समाज के मेधावी 27 विद्यार्थियों सहित आयोजन में सहयोग देने वाले पदाधिकारियों एवं सदस्यों का हुआ सम्मान



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से दीपावली स्नेह मिलन, अन्नकूट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 15 नवंबर को शाम 5 बजे से गौलीगुड़ा स्थित समाज भवन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष पवनकुमार वर्मा ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी श्री जुगलबिहारीजी आसट उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ सदस्या श्रीमती कमलादेवी देवकीनंदनजी कडेल एवं श्रीमती कंचन दामोदरजी मोसूण मंचासीन रहीं।

इनके अतिरिक्त समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसादजी मायछ, स्थानीय समाज के महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर कडेल, पूर्व अध्यक्ष नथमलजी मायछ, पूर्व महामंत्री हरिकिशनजी मायछ, मार्गदर्शक मंडल के श्रवणकुमारजी आसट, नारायणजी कडेल, सम्पतकुमारजी परवाल, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कडेल तथा महाराजा अजमीढ़जी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित कुमारजी कडेल भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष पवनकुमार वर्मा ने उपस्थित समाज बंधुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। समाज के महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ एवं प्रचार मंत्री चन्द्रशेखर रोड़ा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अतिथियों ने महाराजा अजमीढ़जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके पश्चात समाज के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं उपस्थित गणमान्यजनों ने अतिथियों को शॉल, मोतियों की माला एवं स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

सम्मान की इसी कड़ी में नवरात्रि, अजमीढ़ जयंती एवं दीपावली स्नेह मिलन के संयोजक प्रदीप कुमार मांडन, कन्हैयालाल कडेल, भींवराज मायछ एवं राजेश कुमार खिप्पल को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन में योगदान के लिए महिला समिति की श्रीमती मंजूजी परवाल, श्रीमती नन्दाजी सुनालिया एवं श्रीमती कंचनजी मोसूण का सम्मान किया गया।

इसी क्रम में पूर्व प्रचार मंत्री पंकज वर्मा को उनके सहयोग के लिए तथा पूनमचन्द मायछ को नवरात्रि उत्सव के दौरान निरंतर भजन प्रस्तुत करने के लिए समाज के पदाधिकारियों ने शॉल एवं मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया।

समारोह में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण होने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में अमोघ सोनी, अर्जुन वर्मा, हीरेश सोनी, जय सोनी, जतिन सोनी, जिया सोनी, कनक बामलवा, खुशी परवाल, किशन सोनी, मिथाली वर्मा, निधि सोनी, प्राची वर्मा, प्रतिक्षा वर्मा, प्रेरणा वर्मा, प्रियांशी सोनी, रोशनी कडेल, श्लोक सोनी, शुभम वर्मा, सिद्धि परवाल, सोहम सोनी, स्वयं सोनी, तरुण वर्मा, वैष्णवी सोनी, यशश्वी सोनी, योगेश सोनी, नमन वर्मा एवं जगदीश वर्मा शामिल रहे।

इस अवसर पर समाज भवन में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित समाज बंधुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के भवन मंत्री दामोदर कडेल, सहकोषाध्यक्ष कन्हैयालाल कडेल, अशोक कुमार मोसूण, नथमल रोड़ा, जय मायछ, मनोज देवाल, दामोदर ढल्ला, नवरतन मल रोड़ा, पंकज वर्मा, विष्णु कडेल, नरसिंह झींगा, संजय आसट, मीनाक्षी परवाल, यशोदा परवाल, राजेश परवाल, गोवर्धन परवाल, अन्नपूर्णा देवी मायछ, सोनाली वर्मा, रमा वर्मा, लक्ष्मीकांत तोषावड़, कमल खजवाणियां, दिलीप खजवाणियां, संतोष कुमार रोड़ा, संतोष कुमार कडेल, चन्द्रप्रकाश कडेल, सीमा कडेल एवं ज्योतीजी कडेल का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम का संचालन द्वारकाप्रसाद मायछ एवं युगलकिशोर कडेल ने संयुक्त रूप से किया।

कवियों के ख़ाके भाग-3 का लोकार्पण

नेहपाल सिंह वर्मा की 90वीं जयंती पर पंचम कवि सम्मेलन आयोजित



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद एवं 'गीत चाँदनी' के संयुक्त तत्वावधान में कीर्तिशेष नेहपाल सिंह वर्मा की 90वीं जयंती पर पुस्तक 'कवियों के ख़ाके' (भाग-3) का लोकार्पण एवं पंचम कवि सम्मेलन नाचारम स्थित ईएसआई अस्पताल के समीप भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने काव्य-पाठ कर साहित्यकार वर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की तथा भोपाल से आए पुरुषोत्तम तिवारी साहित्यार्थी ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

वक्ताओं ने नेहपाल सिंह वर्मा के साहित्यिक योगदान और उनकी लेखन शैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 150 से अधिक कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अपने ख़ाकों में जीवंत रूप से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर उर्मिला वर्मा, डॉ. राजनारायण अवस्थी, परमेश्वर मूर्ति, ठाकुर दिनेश सिंह एवं अब्दुल हमीद ख़ान सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

सम्मेलन में ठाकुर दिनेश सिंह, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, राजकुमार यादव, गोविंद अक्षय, डॉ. रेखा देवी वर्मा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर, सुहास भटनागर सहित अनेक कवियों ने काव्य-पाठ किया। कार्यक्रम में अतिथियों एवं कवियों का सम्मान भी किया गया।

60 साल बाद कोंडागट्टू में होंगे अंजनेयस्वामी के मूल स्वरूप के दर्शन



पेद्दापल्ली, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगत्याल जिले के प्रसिद्ध कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में करीब 60 साल बाद होने वाले दुर्लभ मूल स्वरूप दर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक एवं करीमनगर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. मेडिपल्ली सत्यम ने चंदनोत्सव अंकुरार्पण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना कर स्वामी के दर्शन किए। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी ने बताया कि 15 से 20 नवंबर तक शास्त्रोक्त विधि से स्वामी के मूलविराट्टु से चंदन हटाने की प्रक्रिया चलेगी। इस दौरान नियमित दर्शन बंद रहेंगे। 21 नवंबर से 29 दिसंबर तक भक्तों को स्वामी के मूल स्वरूप के दर्शन होंगे। विधायक ने श्रद्धालुओं से इस दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य पुजारी डॉ. टी. जितेंद्र प्रसाद, स्थानाचार्य कपिंदर, मंदिर अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी भवनों की मांग



मदनूर, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय भाजपा के तत्वावधान में सोमवार को मंडल विकास कार्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान संयुक्त मदनूर मंडल के विभिन्न गांवों में आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए नए भवनों के निर्माण एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष तुकाराम थेप्पावर ने बताया कि मंडल के कई गांवों में आंगनवाड़ी केंद्र किराये के भवनों में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से विकसित भारत-जी राम जी (मनरेगा) रोजगार गारंटी योजना की निधि का उपयोग आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए करने की मांग की। इस दौरान एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष एस. रेवन, सोशल मीडिया जिला प्रभारी अजय ताम्मेवार, चिन्ना एकलारा सरपंच कोरे माधवराव, लक्ष्मण, ज्ञानेश्वर सहित अन्य उपस्थित रहे।

घुटनों के बल बैठकर मजदूरों का प्रदर्शन



बांसवाड़ा, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल के सामने सोमवार को तेलंगाना मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एंड एम्प्लॉइज यूनियन (एआईटीयूसी) के तत्वावधान में कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों ने घुटनों के बल बैठकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मजदूरों ने न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये करने, नौकरी की सुरक्षा देने, प्रत्येक माह की पहली तारीख को बैंक खातों में वेतन जमा करने तथा महिला कर्मचारियों को त्योहारों, राष्ट्रीय अवकाश और मातृत्व अवकाश की सुविधा देने की मांग की। एआईटीयूसी जिला उपाध्यक्ष दुबास रामुलु ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में संतोष गौड़, कमर, जैल सिंह, सुरेखा, सरिता, लक्ष्मी, लक्ष्मण, राजू, राजेश्वरी, कल्याणी, अनीता, शंकर सहित अन्य मजदूर शामिल हुए।



मदनूर मंडल के हंडे केलूर गांव निवासी एक व्यक्ति सोमवार को स्थानीय साप्ताहिक बाजार में हनुमान मंदिर और पुलिस स्टेशन के बीच सब्जियां खरीद रहा था। इसी दौरान एक नाबालिग मोबाइल चोर ने सब्जियां खरीद रहे व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना का पता चलते ही संबंधित व्यक्ति ने नाबालिग को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

नशामुक्ति के लिए हेल्दी रन का आयोजन



पेद्दापल्ली, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से 29 नवंबर 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाली पेद्दापल्ली हेल्दी रन-5के का पोस्टर जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने सोमवार को जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं, छात्रों एवं आम जनता से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।

कलेक्टर ने कहा कि 'जीवन के लिए हां, नशे को ना कहें' नारे के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क है। इस अवसर पर जिला विपणन अधिकारी प्रवीण रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आवेदनों का शीघ्र निपटारा करें : कलेक्टर



पेद्दापल्ली, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने अधिकारियों को जनसेवा कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने तथा उन्हें लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसेवा कार्यक्रम में कलेक्टर एवं अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु ने जनता से आवेदन प्राप्त किए। इस दौरान विभिन्न गांवों के लोगों ने पेंशन, इंदिरम्मा आवास, दिव्यांग सहायता तथा गांवों में जल निकासी की समस्याओं को लेकर आवेदन सौंपे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कल्याणकारी योजनाओं के चेक वितरित



मदनूर, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र में जुक्कल विधायक थोता लक्ष्मीकांत राव ने लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी एवं शादी मुबारक के चेक तथा 575 पेंशन स्वीकृति दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार गरीबों एवं कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थियों को इस माह की 19 तारीख को पेंशन वितरित की जाएगी।

क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां क्यों थी।



संख्या पढकर चौंक गए परंतु यह सत्य है, शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां थी। वास्तव में उनकी 16,108 पत्नियां थी। हम सभी जानते हैं कि प्राचीन काल में बहुविवाह प्रथा बहुत लोकप्रिय थी, फिर भी 16,108 की संख्या बहुत अधिक लगती है। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसी कहानियाँ हैं जो काफी रोचक हैं। भगवान कृष्ण अपने चमत्कारों के लिए जाने जाते हैं जिनकी रोचक कहानियाँ हमारे मन में कुतूहल उत्पन्न करती है। राधा के साथ उनका आत्मिक प्रेम, आठ सुन्दर राजकुमारियों से विवाह तथा फिर भी 16,000 और अधिक पत्नियां निश्चित रूप से हमें आश्चर्यचकित कर यह जानने के लिए मजबूर कर देते हैं कि इन सब के पीछे क्या कारण होगा। यदि हम शास्त्रों में देखें तो हम देखेंगे कि भगवान कृष्ण से राधा से कभी भी विवाह नहीं किया था।

क्यूं पड गया श्री कृष्ण के शरीर का रंग नीला परन्तु उन्होंने आठ महिलाओं से शादी की। उनकी आठ पत्नियों के नाम रुक्मिणी, सत्यभामा, जाम्बवती, कालिंदी, मित्रविंदा, नाग्नाजिती, भद्रा और लक्ष्मणा थे। उनमें से सत्यभामा और रुक्मिणी प्रसिद्ध हैं। अब 16,000 पत्नियों की कहानी की ओर बढते हैं। हम सभी जानते हैं कि भगवान कृष्ण एक चमत्कारी राजा थे। उनके साथ जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई न कोई कारण था। अत: यह कहना सही नहीं होगा कि 16,108 पत्नियां कृष्ण लीला का एक हिस्सा थी। अत: ऐसी क्या परिस्थिति हुई कि भगवान कृष्ण को 16,000 महिलाओं से विवाह करना पडा आइए देखें।

महाभारत से जुडे कुछ रोचक रहस्य नरकासुर की कहानी नरकासुर प्रग्ज्योतिषा का राजा था। यह स्थान अब असम के नाम से जाना जाता है। वह विष्णु के सूअर अवतार वराह और पृथ्वी की देवी भूमि देवी का पुत्र था। भूमि का पुत्र होने के कारण उसे भौम या भौमासुर भी कहा जाता था। उसने स्वर्ग, धरती और पाताल तीनों विश्व पर कब्जा कर लिया था। उसने पृथ्वी पर जिन 16,000 देशों पर विजय प्राप्त की थी उन देशों की राजकुमारियों को कैद कर लिया था।

स्वर्ग में उसने स्वर्ग और देवों के देव इंद्रदेव की मां अदिति के कान के बाले (इयररिंग) चुराए। पाताल में उसने पानी के देवता वरुण का शाही छाता चुरा लिया। उसने राजकुमारियों को एक पर्वत पर बंदी बना कर रखा। इसी दौरान इंद्र ने अदिति के कान के बाले वापस लाने तथा विश्व को इस राक्षस की क्रूरता से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण से नरकासुर के साथ युद्ध करने की याचना की। अत: भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध कर दिया। लूट का माल नरकासुर की मृत्यु के पश्चात भूमि देवी ने सभी चुराई हुई चीजें कृष्ण को वापस कर दीं जिसमें 16,000 महिलायें भी शामिल थी। श्री कृष्ण ने उन्हें मुक्त कर दिया परन्तु उन महिलाओं से इसका पालन नहीं किया।

सामाजिक कलंक प्राचीन काल में जब कोई राजा किसी अन्य राज्य की महिला का अपहरण कर लेता था तो राजा के परास्त होने के बाद भी उस महिला को राज्य में वापस नहीं लिया जाता था। उन्हें एक कलंकित और शर्मनाक जीवन व्यतीत करना पडता था क्योंकि ऐसा माना जाता था कि किसी दूसरे व्यक्ति ने उन्हें स्पर्श किया है। नरकासुर की कैद में रहने वाली 16,108 महिलाओं को भी यह सहन करना पडा। अत: उन सभी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि वे उन सभी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लें। 16,108 पत्नियां अत: भगवान कृष्ण ने उन सभी से विवाह कर लिया। भागवत पुराण में विवाह के बाद कृष्ण की पत्नियों के जीवन के बारे में बताया गया है। प्रत्येक पत्नी को एक घर और सौ दासियाँ दी गयी थीं। कृष्ण ने स्वयं को कई रूपों में बाँट लेते थे तथा इस प्रकार रात में प्रत्येक पत्नी के साथ रहते थे। सुबह उनके सभी रूप मिलकर कृष्ण बन जाते और वे द्वारका के राजा रूप में आ जाते। कृष्ण की प्रत्येक पत्नी व्यक्तिगत तौर पर उन्हें नहला कर, सजा कर, पंखा झलकर, उन्हें उपहार और फूलों की माला देकर उनकी पूजा करती थी।

चमत्कारी राजा एक कथा के अनुसार एक बार उपद्रवी मुनि नारद ने कृष्ण से प्रार्थना की कि वे अपनी पत्नियों में से एक पत्नी उन्हें दे दें क्योंकि वे कुंवारें हैं। कृष्ण ने उनसे कहा कि आप किसी भी पत्नी को उस समय जीत कर दिखाएँ जब मैं (कृष्ण) उनके साथ न रहूँ। नारद कृष्ण की सभी 16,108 पत्नियों के घर गए परन्तु सभी घरों में कृष्ण उपस्थित थे। इस पारकर नारद कुवारें रह गए। इस घटना को देखकर नारद आश्वस्त हो गए कि भगवान कृष्ण के रूप में एक देवत्व था, एक पूर्ण और विविध आकार वाली अभिव्यक्ति जो एक ही समय में अपनी 16,000 पत्नियों के साथ का आनंद उठा रही थी। यही कारण है कि भगवान कृष्ण को सर्वशक्तिमान माना जाता है जो किसी न किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं जैसे वे अपनी 16,108 पत्नियों के साथ रहते थे।

कुंडली में मांगलिक दोष निवारण के उपाय

मांगलिक दोष क्या है।

जन्मपत्री की कुंडली में 12 स्थान होते हैं। इनमे से यदि पहले, दुसरे, चौथे, सातवे, आठवे और बारहवें स्थान में मंगल होता है तो मांगलिक दोष होता है। मांगलिक दोष वाले व्यक्ति पर मंगल गृह की बुरी छायां होती है। यह प्रभाव शादी के समय बहुत मायने रखता है क्यों कि शादी के समय कुंडली मिलान का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। शादी से पहले व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष को देखना और इसका निवारण करना जरूरी है।

मांगलिक दोष के लक्षण

1. स्त्री और पुरुष दोनों में मांगलिक दोष हो सकता है।

2. मंगल को उग्रता वाला गृह माना जाता है इसलिए मांगलिक दोष वाले लोगों का स्वाभाव गर्म माना जाता है।

3. मांगलिक लोगों में बहुत गर्म और उग्र ऊर्जा होता है जिसका यदि सही इस्तेमाल नहीं किया जाए तो यह कुछ ना कुछ गलत हो सकता है।

4. मांगलिक दोष के कारण शादी में देरी होती है।

5.मंगल दोष के कारण शादी में कलह और तनाव रहता है।

6. दो मांगलिक लोगों का आपस में विवाह करने से इसका बुरा प्रभाव दूर होता है।

7. ऐसा माना जाता है कि जिन्होंने पिछले जन्म में अपने पार्टनर के साथ बुरा किया उनमें यह दोष पाया जाता है।

मंगल कब समस्या पैदा करता है

1.यदि मंगल पहले स्थान में है तो शादी के बाद विवाद और हिंसा की सम्भावना रहती है।

2. जब मंगल दुसरे स्थान में रहता है तो व्यक्ति के परिवार के कारण उसका विवाह और नौकरी पेशा प्रभावित होता है।

3. जब मंगल चौथे स्थान में रहता है तो व्यक्ति व्यावसायिक तौर पर सफलता प्राप्त नहीं करता है और लगातार जॉब बदलता है।

4. यदि मंगल सातवे स्थान में होता है तो उसका स्वाभाव उग्र होता है, जिसके कारण वह अपने परिवार से भी मधुर सम्बन्ध नहीं रख पाता है।

5. यदि मंगल आठवे स्थान में होता है तो वह व्यक्ति परिवारजनों द्वारा अलग कर दिया जाता है और जायदाद से बेदखल हो जाता है।



6. जब मंगल दसवे स्थान में होता है तो व्यक्ति को दिमाग से सम्बंधित समस्याएं होती है साथ ही इससे दुश्मन पैदा होना या आर्थिक नुकसान जैसी चीजें भी हो सकती हैं।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

1. दो मांगलिक लोगों का विवाह करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाता है।

2. कुम्भ विवाह भी इसका एक समाधान है। इस विवाह में व्यक्ति को शादी से पूर्व किसी पेड से या कलश से विवाह करना पडता है।

3. मंगलवार का व्रत करने से भी इसका बुरा प्रभाव कम होता है। इस व्रत में मांगलिक लोगों को तूर दाल ही खानी होती है।

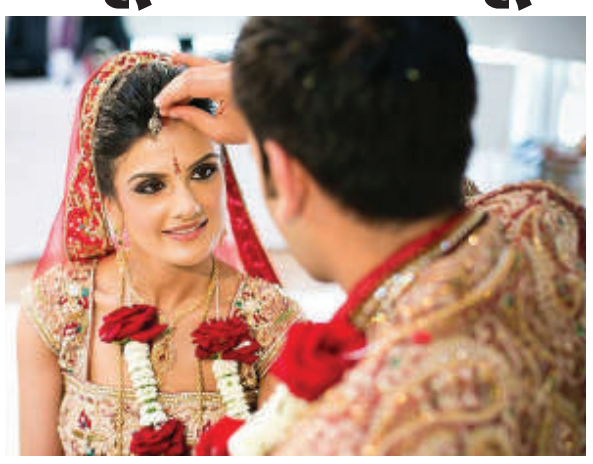
4. मंगलवार को नवग्रह मन्त्र या हनुमान चालीसा का जाप करने से भी मांगलिक दोष का असर कम होता है।

5. मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर पूजा करना भी मंगल दोष के निवारण का अच्छा उपाय है।

6. ज्योतिषियों के अनुसार मांगलिक दोष वाले लोगों को लाल मूंगा जडित सोने की अंगूठी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करनी चाहिए।

7. मांगलिक लोगों को 28 साल की उम्र के बाद शादी करने की सलाह दी जाती है क्यों कि उम्र के अनुसार दोष का असर भी कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में सिंदूर का महत्व



आमतौर पर सिंदूर को हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है तथा इसका महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं में छुपा है। सिंदूर, एक स्त्री के विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते लगाती हैं। इसे माथे पर बालों के बीच में लगाया जाता है।

हिंदू धर्म में, इसे लगाने का हक केवल विवाहित महिलाओं को दिया गया है। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अत:, माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग इसके अलावा सिंदूर धारण करने के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं। तो चलें, उन महत्वपूर्ण कारणों के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

1 ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, मेष राशि का स्थान माथे पर होता है। मंगल, मेष राशि का स्वामी ग्रह है और क्योंकि मंगल ग्रह का रंग लाल होता है, इसे शुभ माना जाता है। अत: इसे सौभाग्य का संकेत भी माना जाता है।

2 सिंदूर को नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शक्ति एक पत्नी को किसी भी मुश्किल घडी में अपने पति की रक्षा करने में मदद करती है।

3 उत्तर भारत में नवरात्रि व संक्राति के त्योहारों पर विवाहित स्त्रियों के लिए सिंदूर लगाना अत्यंत अनिवार्य है। इससे पता चलता है कि सिंदूर धार्मिक कारणों की वजह से भी बहुत महत्व रखता है। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपा हुआ है ये विज्ञान

4 सिंदूर लगाने का एक और दिलचस्प कारण भी है। सिंदूर को धातु पारे के साथ हल्दी व चूने के मिश्रण से तैयार किया जाता है। पारा रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है एवं महिलाओं की यौन इच्छा को सक्रिय करता है। जिसके कारण इसमें एक शारीरिक महत्व भी शामिल हो जाता है। इसलिए सिंदूर को हमारी भावनाओं के केन्द्र, पिट्यूटरी ग्रंथ पर लगाना चाहिए।

धन का संचय उतना ही करना चाहिए जितनी जरूरत हो

बात उस समय की है जब गुरु नानक देव लाहौर यात्रा पर थे। वह एक अजीब नियम था। वो यह कि जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक संपत्ति वह अपने घर के ऊपर उतने ही झंडे लगाता था।लाहौर में दुनीचंद्र के पास 20 करोड रुपए की संपत्ति थी। इसलिए उसके घर की छत पर 20 झंडे फ्हरा रहे थे। दुनीचंद्र को पता चला कि गुरु नानक जी लाहौर आए हैं तो वो उनसे मिलने गया। दुनीचंद्र ने गुरुनानक जी से सेवा का अवसर मांगा। गुरु नानक जी ने उसे एक सुई देते हुए कहा, इसे ले जाइए और अगले जन्म में मुझे वापस कीजिएगा। दुनीचंद्र ने सुई ले ली। लेकिन उसने सोचा कि अगले जन्म में यह सुई मैं कैसे ले जा सकूंगा। वह वापस गुरु नानक जी के पास गया और उसने कहा, मरने के बाद में यह सुई कैसे ले जा सकता हूं। तब गुरु नानक जी ने कहा, जब तुम एक सुई अपने अगले जन्म में नहीं ले जा सकते तो इतनी सारी संपत्ति कैसे ले जा सकोगे। दुनीचंद्र ने जब यह बात सुनी तो उसकी आंखें खुल गईं।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

हिंदु धर्म में राहु और केतू दो ग्रह हैं जिन्हे दोष के रूप में जाना जाता है। राहु और केतू, एक ही असुर का नाम है जिसने अमृत मंथन के दौरान छल से अमृत पी लिया था और जब उसने आधा अमृत पी लिया तब पता चला कि वह असुर है तो भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका गला काट दिया। वह मरा नहीं, लेकिन सिर और धड दो हिस्सों में बंट गया, जिसे राहु-केतु के नाम से जाना गया। ये एक ग्रह बन गए जो लोगों की कुंडली में दोष माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इन्हे दूर करने के कई उपाय हैं, जिन्हे लोगों के द्वारा अपनाया जाता है। अगर आप भी जानना चाहते है कि जीवन से राहु-केतु का दोष किस प्रकार दूर करना है। तो इन आध्यात्मिक उपायों को जानें।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

प्रत्येक शनिवार शाकाहारी भोजन करें: राहु और केतू दोष ग्रह है। इसके लिए आपको शनिवार को पूजा क रनी चाहिए और इस दिन पूर्णत: शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए।



भगवान शिव की पूजा करें: अगर आपकी कुंडली में राहु-केतू का दोष है तो भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव, राहु-केतू और शनि के दोषों का निवारण करते है। आप प्रतिदिन 21 बार ओउम् नम: शिवाय का जाप करें। राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें: राहु और केतू के दोषों को शांत करने के लिए आप राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। इस पूजा को आप घर पर आयोजित करवाएं, इससे आपके घर में सुख और शांति भी आएगी। श्रीकलाहस्ती मंदिर के दर्शन करें: श्रीकला हस्ती मंदिर आंध्रप्रदेश में स्थित है। जिन लोगों के जीवन में राहु-केतू दोष है वह इस मंदिर में दर्शन के लिए अवश्य जाएं। साल में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते है।

दान: राहु-केतू दोष होने पर आप शनिवार को सरसों का तेल दान करें, गेहूं, नारियल, केला आदि को दान करें। गरीबों को भोजन खिलाएं। इससे आपको जीवन में सुकून और खुशी मिलेगी और यह ग्रह दोष भी शांत हो जाएगा।

भोले के भैरव रूप के स्मरण से दूर होते हैं कष्ट



-**पहली** फरवरी को है कालाष्टमी

-रात्रि को जागरण कर शिव एवं माता पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करें

-ब्रहमा के अपमानित करने पर शिव भगवान ने धारण किया था रौद्र रूप

कालाष्टमी का हिंदू धर्म में बडा महत्वपूर्ण स्थान है। मार्गशीर्ष मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान शिव, भैरव रूप में प्रकट हुए थे। कालाष्टमी का व्रत इसी उपलक्ष्य में किया जाता है। कालाष्टमी को 'भैरवाष्टमी' के नाम से भी जाना जाता है। भगवान भोलेनाथ के भैरव रूप के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। भैरव की पूजा व उपासना से मनोवांछित फल मिलता है। अत: भैरव जी की पूजा-अर्चना करने व कालाष्टमी के दिन व्रत एवं षोड्षोपचार पूजन करना अत्यंत शुभ एवं फलदायक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन कालभैरव का दर्शन एवं पूजन मनवांछित फल प्रदान करता है।

व्रत की विधि भगवान शिव के भैरव रूप की उपासना करने वाले भक्तों को भैरवनाथ की षोड्षोपचार सहित पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। रात्रि के समय जागरण कर शिव एवं पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करना चाहिए। भैरव कथा का श्रवण और मनन करना चाहिए। मध्य रात्रि होने पर शंख, नगाडा, घंटा आदि बजाकर भैरव जी की आरती करनी चाहिए। भगवान भैरवनाथ का वाहन 'श्वान' (कुत्ता) है। अत: इस दिन प्रभु की प्रसन्नता के लिए कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन प्रात:काल पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर भैरव जी की पूजा व व्रत करने से समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं। भैरव जी की पूजा व भक्ति से भूत, पिशाच एवं काल भी दूर रहते हैं। शुद्ध मन एवं आचरण से जो भी कार्य करते हैं, उनमें इन्हें सफलता मिलती है।

माहात्म्य कालाष्टमी के दिन काल भैरव के साथ इस दिन देवी कालिका की पूजा-अर्चना एवं व्रत का भी विधान है। काली देवी की उपासना करने वालों को अर्धरात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए, जिस प्रकार दुर्गापूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। भैरव की पूजा-अर्चना करने से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि के साथ स्वास्थ्य की रक्षा भी होती है। भैरव तंत्रोक्त, बटुक भैरव कवच, काल भैरव स्तोत्र, बटुक भैरव ब्रहम कवच आदि का नियमित पाठ करने से अनेक समस्याओं का निदान होता है।

कथा भैरवाष्टमी या कालाष्टमी की कथा के अनुसार एक समय श्रीहरि विष्णु और ब्रहमा के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ कि उनमें से श्रेष्ठ कौन है। यह विवाद इस हद तक बढ गया कि समाधान के लिए भगवान शिव एक सभा का आयोजन करते हैं। इसमें ज्ञानी, ऋषि-मुनि, सिद्ध संत आदि उपस्थित थे। सभा में लिए गए एक निर्णय को भगवान विष्णु तो स्वीकार कर लेते हैं, किंतु ब्रहमा जी संतुष्ट नहीं होते। वे महादेव का अपमान करने लगते हैं। शांतचित शिव यह अपमान सहन न कर सके और ब्रहमा द्वारा अपमानित किए जाने पर उन्होंने रौद्र रूप धारण कर लिया। भगवान शंकर प्रलय के रूप में नजर आने लगे और उनका रौद्र रूप देखकर तीनों लोक भयभीत हो गए। भगवान शिव के इसी रूद्र रूप से भगवान भैरव प्रकट हुए। वह श्वान पर सवार थे, उनके हाथ में दंड था। हाथ में दंड होने के कारण वे 'दंडाधिपति' कहे गए। भैरव जी का रूप अत्यंत भयंकर था। उनके रूप को देखकर ब्रहमा जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह भगवान भोलेनाथ एवं भैरव की वंदना करने लगे। ब्रहमा, देवताओं और साधुओं द्वारा वंदना करने पर भैरव जी शांत हो जाते हैं।

क्यूं की जाती है गणेश-लक्ष्मी की पूजा एक साथ

दीपावली के दिन हम धन और समृद्धि की देवी माँ लक्ष्मी और बुद्धि के देवता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। यह हम सब भली भांती जानते हैं कि कोई भी शुभ कार्य गणेश पूजन के बगैर कभी पूरा नहीं होता।

गणेश जी बुद्धि प्रदान करते हैं। वे विघ्न विनाशक और विघ्नेश्वर हैं। यदि व्यक्ति के पास खूब धन-सम्पदा है और बुद्धि का अभाव है तो वह उसका सदुपयोग नहीं कर पायेगा। इसलिए व्यक्ति का बुद्धिमान और विवेकी होना भी आवश्यक है। तभी धन के महत्व को समझा जा सकता है। गणेश लक्ष्मी की एक साथ पूजा के महत्त्व को कई कहानियों के माध्यम से बताया गया है। आइये जाने ऐसी ही कहानी।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन और संब्रद्धि का प्रतीक माना गया है। जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है जब तक वह माँ ना बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयी मदद मांगने के लिए।



जानिए दीवाली पर क्यों किया जाता है लक्ष्मी पूजन

पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थी कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देख भाल नहीं कर पाएंगी। लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौप दिया।

इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि वे गणेश का बहुत ध्यान रखेंगी। और जो सुख और संब्रद्धि के लिए लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं उन्हें उनसे पहले गणेश जी की पूजा करनी पडेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी। तब से आज तक दीपावली पर लक्ष्मी जी की पूजा से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है।

इटिंग डिसॉर्डर

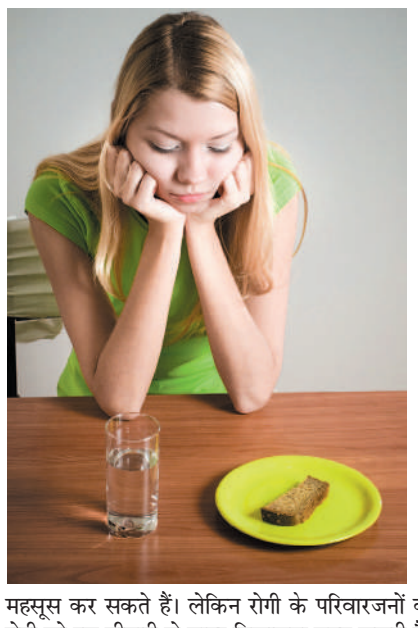
कोई भी हो सकता है बीमारी का शिकार



जब व्यक्ति अपनी जीवन की मुश्किलों का सामना नहीं कर पाता तब उसके अंदर का डर उसमें एक विकार को जन्म देता है। हालांकि, डर के कारण व्यक्ति जो सोचता होता है वो सच नहीं होता। लेकिन उसकी कल्पना शक्ति उसके विचारों को सच मानने पर मजबूर करती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति खुद को अकेला पाता है और उस में हालातों से लड़ने की हिम्मत टूट जाती है। इसी दौरान डर उस पर हावी हो जाता है और उसमें इटिंग डिसॉर्डर की शकल ले लेता है।

आज लोग कई हालातों में इटिंग डिसॉर्डर से पीड़ित नजर आते हैं। कुछ लोग दुख में अधिक खाते हैं तो कुछ कम, कुछ बेचैनी में खाते हैं तो कुछ गुस्से में। ये विकार अंग्रेजी में कंप्लसीव इटिंग, इमोशनल इटिंग, बिंग इटिंग व एनोरेक्सिया नर्वोसा जैसे नामों से जाने जाते हैं। इस तरह की बीमारियों का शिकार मर्द व औरत दोनों हो सकते हैं। आत्मविश्वास की कमी, तनाव, दुख या अकेले रहने की इच्छा के कारण मर्दों में इटिंग डिसॉर्डर नज़र आ सकते हैं। जब व्यक्ति खुद की अक्षमताओं को स्वीकारने में विफल हो जाता है तो वह इटिंग डिसॉर्डर का शिकार हो सकता है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अक्सर अपने आसपास के लोगों व हालातों को अपने बस में करने की कोशिश करता है। परंतु जब वह ऐसा नहीं कर पाता तो यह रोग उसमें स्पष्ट नज़र आने लगता है।

हालांकि महिलाओं में यह बीमारी काफी पहले नज़र आ गई थी लेकिन अब यह पुरुषों में भी नज़र आनी शुरू हो गई है। परंतु, शर्मिंदगी के कारण पुरुष इस बीमारी का जिक्र कम करते हैं। यह भी समझा जाता था कि यह बीमारी केवल महिलाओं को होती है। इस सामाजिक सोच के कारण पुरुष इस बीमारी को व्यक्त करने से कतराते थे। परंतु अब वक्त बदल गया है। आज पुरुष इस बीमारी को बताते हुए हिचकिचाते नहीं है। एनोरेक्सिया नर्वोसा, बुलिमिया नर्वोसा व बिग इटिंग डिसॉर्डर पुरुषों में नज़र आने वाले कुछ आम प्रकार के इटिंग डिसॉर्डर हैं। यदि आप इस बीमारी को बढ़ने से रोकना चाहते हैं तो इसे शुरूआत में पहचानना होगा। इस बीमारी से निपटने में व्यक्ति का परिवार, दोस्त व रिश्तेदार सहायक साबित हो सकते हैं। हालांकि कुछ लोग इस बीमारी को बताने में झिझक महसूस कर सकते हैं। लेकिन रोगी के परिवारजनों को समझना होगा कि रोगी को इस बीमारी से बाहर निकालना बहुत जरूरी है क्योंकि फिर ही वह अपनी जिंदगी को आम लोगों की तरह जी सकता है। यह बीमारी इतनी बड़ी नहीं है कि कोई व्यक्ति इससे बाहर नहीं आ सकता। आपको बस केवल अपने डर या अपने अंदर छुपे दुख से लड़ना है और उस पर विजय हासिल करनी है। हालांकि यह कहना आसान है परंतु यदि आपको अपनी जिंदगी से या आसपास मौजूद लोगों से प्यार है तो दिलेरी का एक कदम आगे बढ़ाना ही होगा।



थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन,चिंता, बालों को झाड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। घबराइए नहीं एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के बिन्दुओं पर दबाव डालकर इलाज करने को एक्यूप्रेशर चिकित्साकहा जाता है।



मिर्गी के दौरों से बचना आसान होगा

मिर्गी के दौरों से निजात पाना अब आसान हो सकता है। ब्रेन में विशेष फैट के स्तर को बढ़ाकर इस समस्या से निपटा जा सकता है। मस्तिष्क में नर्व सेल्स का मिलन स्थल सिनेप्सेज इलेक्ट्रिकल सिगनल्स को ट्रांसमिट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रोटीन का नाम स्काईवाकर है। इससे संकेतों का संचार कायम रहता है। इसमें कमी आने की स्थिति में मस्तिष्क की कार्यप्रणाली भी प्रभावित होती है।



तेल के बिना मसाज...



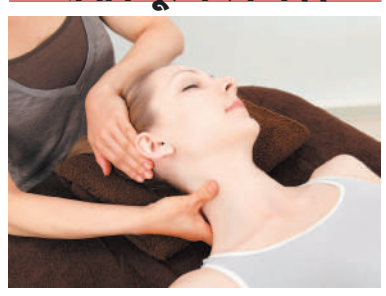
रिफ्लेक्सोलॉजी एक प्रकार की वैकल्पिक चिकित्सा है, जो भारत साहित अन्य एशियाई देशों में काफी प्रचलित है। रिफ्लेक्सोलॉजी चिकित्सा विधि में बिना तेल या लोशन का उपयोग किये अंगूठे, अंगुली और हस्त तकनीक की मदद से पैर और हाथ पर दबाव दिया जाता है या मसाज की जाती है। रिफ्लेक्सोलॉजिस्ट के अनुसार यह पद्धति जोन और रिफ्लेक्स क्षेत्र की प्रणाली पर आधारित है। यदि कोई बीपी, तनाव, कमर दर्द, गर्दन दर्द या फिर सिरदर्द आदि समस्याओं से प्रभावित है तो किसी अच्छे रिफ्लेक्सोलॉजी सेंटर जाकर रिफ्लेक्सोलॉजी करवा सकता हैं। रिफ्लेक्सोलॉजी की मदद से इस सभी समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है।

- वैकल्पिक चिकित्सा रिफ्लेक्सोलॉजी है कारगर
- प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार संभव
- ब्लड प्रेशर और दर्द पर काबू पाने में मददगार

एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज कराना

रिफ्लेक्सोलॉजी के अंतर्गत पैर के एक विशेष भाग पर रही तरीके से जोर देकर एंडोर्फिन नामक हार्मोन को रिलीज करवाया जा सकता है। इससे नर्वस सिस्टम बैलेंस होता है और तनाव और दर्द आदि कम हो जाते हैं।

तनाव दूर करने मदद



तनावग्रस्त होने पर हमारी गर्दन और कंधों में भी तनाव पैदा हो सकता है, जिसके कारण दर्द शुरू हो सकता है। ऐसे में लिया गया एक रिफ्लेक्सोलॉजी सत्र बड़ी राहत दिला सकता है, विशेष रूप से लगातार कंप्यूटर पर काम करने वाले लोगों के लिये ये बेहद फायदेमंद होता है।

खून का दौरा बेहतर होगा

रिफ्लेक्सोलॉजी से खून का दौरा यानी रक्त संचार सुचारू होने के साथ-साथ हार्मोनल फ्लूड का भी संचालन बेहतर प्रकार से होता है, जिससे शरीर अच्छी तरह से काम कर पाता है। रिफ्लेक्सोलॉजी से प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार भी होता है।

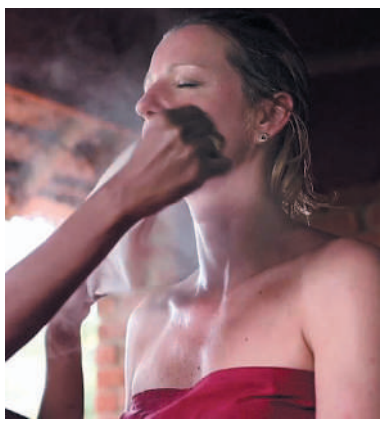
साइटिका नर्व की एक्सरसाइज

साइटिका नर्व का प्रतिबिंब ठीक टखने की हड्डी के पीछे होता है और यह नर्व लगभग 4 से 10 सेमी. तक एक सीधी रेखा में ऊपर की ओर जाती है। यह नर्व कुछ कारणों से कमर व पैर के नीचे के भाग के दर्द का कारण बन जाती है। जब रिफ्लेक्सोलॉजी के तरह इस नर्व पर नीचे से ऊपर की ओर मसाज की जाती है तो दर्द से आराम मिलता है।

चेहरे की रिफ्लेक्सोलॉजी

रिफ्लेक्सोलॉजी पद्धति की मदद से शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द को ठीक किया जा सकता है। फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी एक ऐसा उपचार है, जो क्रमशः तीन प्राचीन पद्धतियों चायनीज मेरीडियन, चायनिज एनर्जी मेडिसीन और एक्यूपंक्चर प्वॉइंट्स, वियतनामी और एंडीयन ट्राइब्स बॉडी मैप से प्रेरित है।



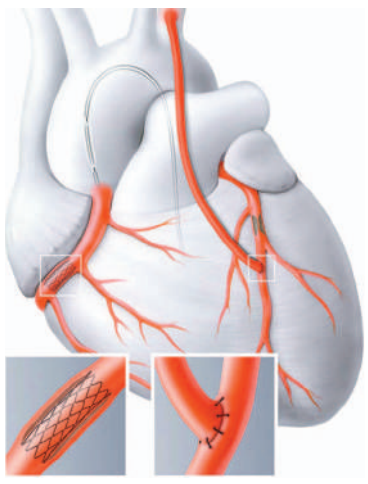


शरीर का शुद्धिकरण

रिफ्लेक्सोलॉजी के दौरान दी जाने वाली विशेष मसाज से शरीर की अशुद्धी और गंदगी भी दूर होती है। साथ ही यह अनिद्रा दूर करने के लिए बेहद प्रभावी उपचार भी है। यह आपको पूरी तरह से तंदरूस्त रखता है।

लेटेस्ट रिसर्च

कृत्रिम धमनी से दूर होगी दिल की बीमारी



वैज्ञानिकों को हृदय विकार के साथ जन्मे बच्चों की समस्या दूर करने में बड़ी सफलता मिली है। प्रयोगशाला में विकसित कृत्रिम धमनी इस समस्या से निजात दिला सकती है। यह दावा नए शोध में किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, नई धमनी से जन्मजात हृदय विकार वाले बच्चों को बार-बार सर्जरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि अभी इस कृत्रिम धमनी का भेड़ के बच्चों पर परीक्षण किया गया है। इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इनमें प्रत्यारोपित धमनियां कुछ समय बाद स्वतः बढ़ने लगी और रक्त प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इसका कोई नकारात्मक प्रभाव जैसे खून का जमना या धमनियों के सिकुड़ जाने की समस्या नहीं नजर आई। मिनेसोटा यूनिवर्सिटी बायोमेडिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर ने कहा, ऐसा पहली बार है जब हमने रोगी में बाहर की चीज प्रत्यारोपित की और उसने शरीर में वृद्धि की। इस उपलब्धि से भविष्य में हृदय विकार के साथ जन्म लेने वाले बच्चों को पांच की जगह सिर्फ एक बार सर्जरी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य लाभ

उपवास रखने से दूर होगी शुगर की समस्या



उपवास केवल धर्म और आस्था का सूचक ही नहीं होता बल्कि उपवास करने के सेहत को बहुत फायदे भी होते हैं। नवरात्र में उपवास शुरू कीजिए और सेहत के ये फायदे मुफ्त पाइए..नवरात्र के नौ दिन अगर सही उपवास किया जाए तो इससे आप वजन घटाने में भी कामयाबी पा सकते हैं। उपवास से पेट से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलती है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। उपवास के दौरान हल्का फलाहार खाने से गैस, मितली और एसीडिटी की परेशानियां ठीक होती हैं। उपवास से न केवल आपको शारीरिक लाभ मिलता है, बल्कि आपको आत्मिक शांति मिलती है जिससे मानसिक तनाव एवं अन्य समस्याओं का भी समाधान होता है। उपवास के दौरान हम फल और पेय पदार्थों का सेवन करते हैं जिससे शरीर के विषाक्त पदार्थ अपने आप निकल जाते हैं। इससे हमारा शरीर हाइड्रेट रहता है। जब हम उपवास करते हैं तो हमारे शरीर की इंसुलिन सेंसटिविटी बढ़ जाती है जिससे शुगर होने का खतरा बहुत कम हो जाता है। उपवास करने से भूख भी नियंत्रित होती है जिन्हें कम भूख लगती है उन्हें भूख लगने लगती है और जिसे भूख ज्यादा लगती है उन्हें कम भूख लगने लगती है।

LIFE-STYLE

छोटे-छोटे टिप्स कर सकते हैं जिंदगी में बड़े बदलाव

दाम्पत्य को खुशहाल बनाते बेडरूम में सुंदर चित्र

बेडरूम हमारे घर का बहुत ही खास हिस्सा होता है। कई बार बेडरूम में वास्तु दोष होने से उसका बुरा असर हमारे दांपत्य जीवन पर भी पड़ता है। वास्तु टिप्स का उपयोग हमारे बेडरूम में करें तो दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रह सकती है। ये वास्तु टिप्स इस प्रकार हैं...

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए पलंग के सामने की दीवार पर सुंदर चित्र लगाने चाहिए। सुंदर चित्रों से मन में शांति की अनुभूति होती है और पलंग के सामने दर्पण नहीं होना चाहिए। अगर पलंग के सामने दर्पण होगा तो आप हमेशा परेशान रहेंगे। बेडरूम में पलंग हमेशा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। सोते समय सिर उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो पश्चिम दिशा में पलंग रखना चाहिए। इस स्थिति में सोते समय मुंह पूर्व की ओर व सिरहाना पश्चिम की ओर रहना चाहिए। पूर्व ओर व उत्तर की ओर मुंह करके सें सुखदायक होता है। दक्षिण की ओर मुख करके नहीं सोना चाहिए। दक्षिण की ओर मुंह करके सोने से नींद नहीं आती है ।



दरवाजे से दूरी

...म में आपका बेड दरवाजे के पास नहीं होना चाहिए यदि ऐसा करेंगे तो ...चित्त में अशांति व व्याकुलता बनी रहेगी। बेडरूम में खिड़की अवश्य होना चाहिए। सुबह की किरणें बेडरूम में प्रवेश करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। कभी भी मुख्य द्वार की ओर पैर करके न सोएं।

बेड पर सीधे न पड़े प्रकाश

बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल कभी भी खिड़की के सामने न रखें, क्योंकि खिड़की से आने वाला प्रकाश परावर्तित होने के कारण परेशानी उत्पन्न करेगा। पलंग के सामने खिड़की न होकर ठोस दीवार होना चाहिए। बेडरूम में पलंग के दाईं ओर छोटी टेबल आवश्यक वस्तु रखने के लिए रख सकते हैं। बेडरूम में प्रकाश व्यवस्था ऐसी हो कि पलंग पर सीधा प्रकाश नहीं पड़े। प्रकाश सदैव पीछे या बांई ओर से आना चाहिए। मुख्य बेडरूम नैऋत्य (पश्चिम-दक्षिण) कोण में होना चाहिए। मुख्य बेडरूम वह होता है, जिसमें घर का मालिक सोता है। गलत दिशा में बेडरूम होने पर कमरे में राधा-कृष्ण का प्रेममय फोटो लगाएं। ऐसा करने पर कमरे के वास्तु दोष खत्म हो जाएंगे।

रेसिपी



केला कालीमिर्च वेफर

सामग्री

2 नंबर कच्चे केले , छिले और गोल कटे हुए
1 टी-स्पून तेल
सेंधा नमक , स्वादअनुसार
2 टी-स्पून ताज़ी पिसी हुई कालीमिर्च

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट पर बटर पेपर रखें और आधे कच्चे केले के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त जगह रखें और उन्हें एक के उपर एक ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (उच्च तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। अपने दोनो हाथों पर द टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ½ टी-स्पून कालीमिर्च वेफर पर छिड़के और हाथों से मिला लें। शेष बची सामग्रीयों का प्रयोग कर 3 और प्लेट वेफर बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा बन्द डब्बे में संचय करें।

एयरोस्पेस मैनेजमेंट में भविष्य की उड़ान

कुछ वर्षों के दौरान ग्लोबल कमर्शियल एयरोस्पेस सेक्टर महत्वपूर्ण विकास का साक्षी रहा है। एयरोस्पेस सेक्टर में हुए इस विकास की बदौलत ट्रेंड मैनेजर्स की जरूरत पैदा हुई है। इसे देखते हुए हाल ही में कनाडा की एचईसी मांट्रियाल ने एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए डिग्री लॉन्च की है ताकि देश-विदेश में एयरोस्पेस सेक्टर में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा सके।



योग्याताएं जरूरी

एयरोस्पेस इंडस्ट्री में अक्सर मैनेजर्स की शुरुआत साइंटिफिक या टेक्निकल बैकग्राउंड से होती है, जिसके पश्चात वे टीम या प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पोजीशंस पर पहुंचते हैं, लेकिन इस कार्य के लिए उनमें कुछ विशिष्ट गुण, कौशल तथा योग्यताएं होनी जरूरी होती हैं। एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए उन्हें वह कौशल देगा, जिसकी उन्हीं इस क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरत पड़ेगी। एयरोवर्ल्ड एमबीए नामक यह प्रोग्राम एक वर्षीय कोर्स है, जिसे एयरोस्पेस में महारत रखने वाले ईबीसी एयरोवर्ल्ड इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ मिल कर करवाया जाएगा।

बेहतर कॅरियर की संभावनाएं

बोइंग के अनुसार अगले 20 वर्षों के दौरान नए विमानों में से आधे से अधिक की बिक्री चीन तथा भारत जैसे देशों में होगी। नए विमान बनाने में विलम्ब, अनिश्चितता, बड़ा पूंजी निवेश तथा लम्बे समय तक वसूली जैसी बातें जुड़ी होती हैं। ऐसे में एयरोस्पेस इंडस्ट्री को न केवल उच्च दक्षता व कुशलता सहित रणनीतिक दृष्टिकोण वाले इंजीनियर्स व वैज्ञानिक ही नहीं, अच्छी तरह प्रशिक्षित मैनेजर व लीडर्स भी चाहिए। इसलिए एयरोस्पेस मैंनेमेंट में एमबीए से आप इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसमें शुरुआती सैलरी 25 से 30 तक हो सकती है। इसे बाद तजुर्बा बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी इजाफा होगा।



तुरीया पातरा

सामग्री

2 कप तुरई के टुकड़े, 6 - 8 पातरा , टुकड़ो में कटे हुए, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून ज़ीरा, एक चुटकी हींग, 1/2 टी-स्पून बेकिंग सोडा, 1 रेसिपी नारियल-धनिया मसाला, 1 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून शक्कर, **सजाने के लिए:** 1 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, तुरई, हींग, बेकिंग सोडा और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढककर, मध्यम आंच पर 5 मिनट के लिए पका लें। नारियल-धनिया मसाला, हल्दी पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 5-7 मिनट या तुरई के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए पका लें। पातरा और शक्कर डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 5 मिनट के लिए पका लें। नारियल और धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

'सुपर पॉवर' जमीं पर

'सुपर पॉवर' अमरीका के विमान साढ़े 4 घंटे तक जमीन पर रहे। उड़ानें ठप हो गईं। उस दौरान करीब 3500 विमान आसमान में उड़ान भर रहे थे, उन्हें तुरंत आसपास के हवाई अड्डे पर उतरने के आदेश दिए गए। करीब 13,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ ने यह आंकड़ा 9000 बताया है। जो भी है, लेकिन 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों को प्रभावित होना पड़ा। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने आक्रोश, गुस्सा व्यक्त किए। कुछ जगह अधिकारियों को हाथापाई भी झेलनी पड़ी। विमानन का यह संकट अमरीका ने पहली बार नहीं झेला है, बल्कि 9/11 आतंकी हमले के बाद भी उसके सुपर, अत्याधुनिक, कथित सर्वश्रेष्ठ करीब 4500 विमानों को जमीन सूंघनी पड़ी थी। क्या यह संचार प्रणाली के फेल होने की ही घटना थी अथवा कोई बड़ा, सटीक साइबर हमला किया गया था? अमरीका में ही दुनिया की विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल सेवाएं 30 लंबे घंटों तक बाधित रहीं, नतीजतन 74 देशों में करोड़ों यूजर्स असहाय हो गए। इंटरनेट ठप हो गए, लिहाजा मेल भी नहीं भेजी जा सकीं। सेवाएं शुक्रवार रात तक बहाल हो सकीं। साइबर हमला न तो राष्ट्रपति ट्रंप और उनके मंत्रियों ने कबूल किया है और न ही माइक्रोसॉफ्ट ने स्वीकार किया है। 'सुपर पॉवर' ऐसे हमले कैसे और क्यों स्वीकार करेगी? लेकिन सवाल सहज है कि फिर इतने व्यापक स्तर पर सिस्टम फेल कैसे हो गए? वे ठप क्यों हुए? यदि 9/11 आतंकी हमले की पुनरावृत्ति नहीं हुई, तो विमानों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के तमाम सिस्टम एक साथ फेल कैसे हो गए? विमानन में एक नहीं, कई वैकल्पिक सिस्टम होते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि विमान और एटीसी के सभी सिस्टम एक साथ फेल हो ही नहीं सकते। क्या आज भी अमरीकी विमानन संचार प्रणाली 1980 के तांबे की तारों के भरोसे चल रही है? उन्हें अपग्रेड किया जा रहा था। यह राष्ट्रपति ट्रंप ने भी माना है कि सिस्टम 'आउटडेटेड' हो गया था, लिहाजा उसे अपग्रेड करने के लिए 30.1 अरब डॉलर का तुरंत बजट अमरीकी कांग्रेस से मांगा गया था, लेकिन इस मांग के ही अगले दिन सिस्टम ध्वस्त हो गया। यह वाकई आश्चर्य है। अमरीका की प्रौद्योगिकीय विश्वसनीयता पर सवाल किए जा रहे हैं। क्या यही 'सुपर पॉवर' का अंदरूनी सच है? सवाल यह भी है कि एक साथ 22 एटीसी केंद्रों पर एआई (कृत्रिम बौद्धिकता) टूल कैसे फेल साबित हुए? क्या यह एआई हमला भी हो सकता है? इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक जेफ्री हिंटन की चेतावनी गौरतलब है, जिसमें कहा गया था कि आगामी तीन साल में एआई मानवता पर हावी हो जाएगी। इनसान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित होगी। एआई 'नियंत्रण से बाहर' हो सकती है! इनसान तमाम नियंत्रण खो सकता है! हिंटन को एआई और मशीन लर्निंग का 'गॉड फादर' माना जाता रहा है। क्या सिस्टम का यह ध्वस्तीकरण उस दौर की भूमिका लिख गया है? अमरीका दुनिया के देशों को विमान, प्रौद्योगिकी, टूल्स और बहुत कुछ बेचता है और एकमात्र 'सुपर पॉवर' होने के दंभ पालता है। बीते दिनों ईरान ने अमरीका पर अप्रत्याशित, अकल्पनीय हमले करने की कई बार चेतावनियां, धमकियां दी हैं। क्या ईरान, चीन या रूस के सहयोग से, ऐसा हमला कर सकता है कि अमरीकी विमान व्यवस्था ही जमींदोज हो जाए? जनवरी, 2023 में भी एफएए के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में ऐसी खराबी आई थी कि 10,800 विमानों की सेवाएं एकदम ठप हो गई थीं। होमलैंड, ट्रेजरी विभाग, पेंटागन में साइबर हमले से सब कुछ निष्क्रिय हो गया था। नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को 'आपातकाल' घोषित करना पड़ा था। बहरहाल यह समय और दौर साइबर और एआई का है, लिहाजा ऐसे संकट अमरीका ही नहीं, यूरोप और खासकर भारत में भी पैदा हो सकते हैं। भारत का मुख्य सर्वर ही विदेशी है। एआई के लिए फिलहाल हम विदेशी कंपनियों पर ही आश्रित हैं। भारत के विमान भी विदेशी हैं, लेकिन ज्यादातर अत्याधुनिक प्रणाली के नहीं हैं। भारत में एयर ट्रैफिक बढ़ रहा है। विमानन ढांचे के साथ-साथ एटीसी को भी अधिक दुरुस्त करना पड़ेगा। भारत को समय रहते यह कदम उठाने होंगे ताकि उसे अमरीका जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े। साथ ही अमरीका को अब एहसास हो गया होगा कि सुपर पॉवर होने पर उसे घमंड नहीं करना चाहिए। वहां पर जो हुआ है, वह अमरीका के लिए तो सबक है ही, साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी एक बड़ा सबक है। ट्रंप की पार्टी जबकि पहले ही कांग्रेस (संसद) में हाल के मध्यावधि चुनाव में पिछड़ गई है।

करीब 13,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ ने यह आंकड़ा 9000 बताया है। जो भी है, लेकिन 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों को प्रभावित होना पड़ा। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने आक्रोश, गुस्सा व्यक्त किए। कुछ जगह अधिकारियों को हाथापाई भी झेलनी पड़ी। विमानन का यह संकट अमरीका ने पहली बार नहीं झेला है, बल्कि 9/11 आतंकी हमले के बाद भी उसके सुपर, अत्याधुनिक, कथित सर्वश्रेष्ठ करीब 4500 विमानों को जमीन सूंघनी पड़ी थी। क्या यह संचार प्रणाली के फेल होने की ही घटना थी अथवा कोई बड़ा, सटीक साइबर हमला किया गया था? अमरीका में ही दुनिया की विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल सेवाएं 30 लंबे घंटों तक बाधित रहीं, नतीजतन 74 देशों में करोड़ों यूजर्स असहाय हो गए। इंटरनेट ठप हो गए, लिहाजा मेल भी नहीं भेजी जा सकीं। सेवाएं शुक्रवार रात तक बहाल हो सकीं। साइबर हमला न तो राष्ट्रपति ट्रंप और उनके मंत्रियों ने कबूल किया है और न ही माइक्रोसॉफ्ट ने स्वीकार किया है। 'सुपर पॉवर' ऐसे हमले कैसे और क्यों स्वीकार करेगी? लेकिन सवाल सहज है कि फिर इतने व्यापक स्तर पर सिस्टम फेल कैसे हो गए? वे ठप क्यों हुए? यदि 9/11 आतंकी हमले की पुनरावृत्ति नहीं हुई, तो विमानों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के तमाम सिस्टम एक साथ फेल कैसे हो गए? विमानन में एक नहीं, कई वैकल्पिक सिस्टम होते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि विमान और एटीसी के सभी सिस्टम एक साथ फेल हो ही नहीं सकते।

गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा

रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है।

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी



आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है। वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल 'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है। इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चैंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है। अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु-अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है, पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया।

देश दुनिया से

एक भारतीय प्रेम कहानी और राजनीतिक निहितार्थ

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' भारत में व्यापक सुर्खियों में बनी हुई है। निश्चित ही, आप इस किताब विशेष की विषयवस्तु इसके मुखपृष्ठ से ही जान जाते हैं। इस पर एक युवा यूरोपीय महिला की श्वेत-श्याम तस्वीर है—जो अपने प्यार की खातिर आधी दुनिया पार कर भारत आई और उसके गुजर जाने के बाद भी यहीं बनी रही। वह तब भी डटी रही, जब विपक्ष और उसकी अपनी ही पार्टी के साथी विदेशी मूल होने को लेकर उस पर तंज कसते रहे। यह तस्वीर वाकई बहुत खूबसूरत है। इतना ही नहीं, किताब में नाकाबिल-ए-माफी 55 त्रुटियों के बावजूद—स्पष्टतः जो खराब संपादन की वजह से बच निकलीं—ऐसा लगता है कि इस किताब ने गांधी परिवार और कांग्रेस को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। निश्चित ही, कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे पार्टी को एक नई जान मिलेगी, जो मौजूदा राजनीति से इतर बनी रहेगी। वह भी ऐसे समय में, जब पांच अहम राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जो देश की राजनीति का स्वरूप बदल सकते हैं। ऐसा लगता है कि शायद किताब के माध्यम से बेहतरीन संवाद बनाने की पुरजोर कोशिश की गई है। यह उच्च कोटि की कहानियों के प्रति भारतीयों के प्रेम की पर्याय है, यानी 'कथासरित्सागर' यानी कहानियों का महासागर। वह जिसका उपयोग करते हुए सलमान रुश्दी ने कुछ दशक पहले अपनी रचनाएं अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया के सामने पेश की थीं। अटल बिहारी वाजपेयी को भी इसका उपयोग अपनी हिंदी कविताओं और चुटीले अंदाज से करने की समझ थी। शायद इसीलिए देश उन्हें बहुत प्यार करता था, भले ही उन्होंने हमेशा बीजेपी को वोट न दिया हो। सोनिया की यादों का पिटारा रूपी इस पुस्तक में एक



बहुत ही प्यारा किस्सा है, जिसमें बताया गया है कि कैसे एक बार वाजपेयी ने सोनिया को समझाया था कि भले ही कांग्रेस और बीजेपी राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी हों, फिर भी राजनीति से इतर दोनों पक्षों के बीच एक रिश्ता सदा कायम रह सकता है। सालों बाद, जब वाजपेयी एक बार गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए और सोनिया उनका हाल-चाल पूछने गईं, तो उन्होंने बिना कुछ कहे बस अपना हाथ बढ़ाया और सोनिया का हाथ थाम लिया। आप सोनिया की किताब को ब्लिंकइट पर भी ऑर्डर कर सकते हैं—यह भी उनकी राजनीतिक रणनीति का ही एक हिस्सा है। पुस्तक विक्रेताओं तक किताब पहुंचने से कुछ दिन पहले ही, कांग्रेस की इस वरिष्ठ नेता की पुस्तक का विमोचन इंस्टाग्राम पर भी हुआ। इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की तुलना में वे अभी काफी पीछे हैं—पिछले तीन हफ्तों में उनके केवल 3,55,000 फॉलोअर्स हुए हैं, जबकि प्रधानमंत्री के अकाउंट के 10.7 करोड़ फॉलोअर्स हैं। किताब का मंतव्य भारत के सबसे पुराने राजनीतिक वंश की जटिल और अक्सर विरोधाभासी कहानियों को देश के विशाल युवा वर्ग तक पहुंचाना है। इसका उद्देश्य अतीत को उसके सभी रंगों, जिनमें कुछ धुंधले या विवादास्पद पहलू भी शामिल हैं, के साथ फिर से जीवंत करना है और देश को यह याद दिलाना है कि गांधी परिवार के साथ उसका एक विशेष नाता कैसे है। यह तमाम कोशिशें बिक्री कला की उस पुरानी कहावत को सच साबित करती हैं कि प्रचार अच्छा हो या बुरा, आखिर प्रचार तो प्रचार ही होता है। एक 'भारतीय प्रेम कहानी' से बेहतर और क्या हो सकता है, जिसकी मुख्य नायिका 'भारत माता' हो और जिसके किरदार दुनिया के अलग-अलग हिस्सों और विभिन्न धर्मों से जुड़े हों? इसका कतई यह मतलब नहीं है कि यह किताब कांग्रेस पार्टी को उन राज्यों के चुनावों में कोई फायदा पहुंचाएगी, जहां वह फिलहाल चुनावी मैदान में है। हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, अतीत कभी पूरी तरह से अतीत नहीं बनता; वह अक्सर वर्तमान में आ खड़ा होता है। यह बात पंजाब के लिए उतनी ही सच है, जहां आज भी 1984 के सिख-विरोधी दंगों की भयावह यादें ताज़ा हैं; और उत्तर प्रदेश के लिए भी, जिसने राम मंदिर बनाने के वादे पर बार-बार बीजेपी को सत्ता में पहुंचाया—और अब सवाल यह है कि क्या अयोध्या के मंदिर में हुई चोरी की घटना इसके राजनीतिक भाग्य पर कोई असर डालेगी? पंजाब और दिल्ली में, सोनिया गांधी द्वारा 1984 के 'नरसंहार' को 'दुखद और शर्मनाक' बताए जाने से काफी हलचल हुई है। बीजेपी ने सिख-विरोधी दंगों में अपने पति खोने वाली कुछ विधवाओं को गुरुद्वारा रकाब गंज में इकट्ठा किया, ताकि वे अपनी आपबीती सुना सकें—कि कैसे दंगे भड़काने के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार की कुछ महीने पहले जेल में मौत हो जाने के बावजूद, प्रभावित 2,800 परिवारों में से किसी को भी आज तक सही मायने में न्याय नहीं मिला है। बीजेपी यहां सही है; कांग्रेस पार्टी ने 1984 के दंगों के लिए कभी औपचारिक रूप से माफी नहीं मांगी है। 11-12 अगस्त 2005 को, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में करीब-करीब माफी जैसा बयान जरूर दिया था। यह बयान नानावती आयोग की रिपोर्ट पेश किए जाने के तुरंत बाद आया था, जिसका गठन पांच साल पहले, वर्ष 2000 में, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 1984 के दंगों के कारणों, उनके दायरे और घटनाओं के क्रम की जांच के लिए किया था। डॉ. सिंह ने कहा था : 'इन दुखद घटनाओं ने देश की अंतरात्मा को गहरा घाव दिया है और संविधान में निहित 'भारतीय राष्ट्र' की अवधारणा को नकारा है।' यह कांग्रेस की ओर से पटल पर रखा गया कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी पार्टी और देश की ओर से इतना भर बोलना कांग्रेस को उम्मीद थी कि काफी रहेगा।

आप का नज़रिया

सदी से गुजरता धर्मशाला

जब शिक्षा के अर्थ अनपढ़ता के पिंजरे में बंद थे, जब भौगोलिक विषमताएं हमें संकीर्णता की गवाही में कैद करती थीं, तब आजादी से पूर्व धर्मशाला में पहले इंटरमीडिएट (1912) और बाद में 1926 आते-आते डिग्री कालेज बना। कालेज का परिसर आज भी इतिहास के चक्कर लगाता है, तो धरोहर इमारतों के गुंबदों पर लौट के बहारें आती हैं। यहां शिक्षा से वातावरण और वातावरण में शिक्षा सदैव उत्तीर्ण हुई और इस लिहाज से आज भी कालेज परिसर हर विषय की जानकारियों में अव्वल और युवा गतिविधियों पर मेहरबान है। अंग्रेजी हुकूमत के आईने में यह शहर सुशासन की फुलवारी सरीखा था। शिक्षा और चिकित्सा में लाहौर के बाद धर्मशाला एक अहम पड़ाव था और जिसके बदौलत यह पृष्ठभूमि आज भी शहर को अलंकृत करती है, मगर सियासत के घालमेल ने सारी उपलब्धियों की जमीन खींच ली। न प्रदेश का सबसे पुराना अस्पताल धर्मशाला में मेडिकल कालेज स्थापित कर पाया और न ही उत्तर भारत के सबसे पुराने कालेज के रोशनदान केंद्रीय विश्वविद्यालय तक खुल पाए। मुकाम बदल गया तेरी हस्ती का, तुम्हें मालूम नहीं तुम्हारी चोरी हुई। बेशक हिमाचल में दर्जनों नए कालेज बन कर स्नातकोत्तर हो गए, मगर पाठ्यक्रम और पठन में अंतर नहीं आया। अब शिक्षण संस्थान मात्र राजनीतिक प्रेरणा के सबूत हैं, जबकि शैक्षणिक स्तर पर कभी माहौल को मापा जाता था। किसी शिक्षण संस्थान के सौ वर्ष का इतिहास महज अध्ययन या डिग्रियों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि शिक्षा वातावरण का सतत निर्माण है। इसी संदर्भ में धर्मशाला को शिक्षा का हब बनने का निरंतर अवसर मिला। जाहिर है यह मात्र कालेज नहीं पूरी एक सदी की शिक्षा कसौटी है। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी में, सिनेमा स्क्रीन पर, शिक्षा के आकाश में, मीडिया के मयार में, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में शरीक हुई हैं। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढ़ियों ने कई कारवां खड़े किए। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की प्रेरणा बना, तो यहां के दर्जनों प्रिंसीपल-प्राध्यापक शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। हैरानी यह कि धीरे-धीरे कालेज की गरिमा को सियासी ठेस लगती रही। फाइल कभी डीम्ड यूनिवर्सिटी तक इस परिसर को ले गई, मगर कोरी सियासत ने इस हक से महरूम कर दिया। अब भी सरकार चाहे तो विशाल परिसर के भीतर स्टेट कालेज की गरिमा में कुछ विषयों का राज्य स्तरीय अध्ययन का श्रेष्ठ केंद्र विकसित कर सकती है। स्पोर्ट्स अथारिटी के साथ एक खेल विंग यहां से चल सकता है। यहां तिब्बती अध्ययन तथा डिफेंस स्टडीज जैसे विषय चल सकते हैं। हैरानी यह है कि पहले डीम्ड यूनिवर्सिटी की फाइल चोरी हुई और फिर कलस्टर यूनिवर्सिटी की प्रस्तावना भी रद्द कर दी गई। सौ साल पहले जहां शिक्षा का अलख जगा, वहां आज नौबत यह कि केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल में प्रस्तावित परिसर शर्मसार हो रहा है। अगर सौ साला जश्न की बारात का स्वागत केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर मे हो, तो समझा जाएगा कि प्रदेश को अपने इतिहास पर गर्व है, वरना चार दिन के समारोह में राजनीतिक हस्तियों के लिए यह मौका सिर्फ स्वागती ही साबित होगा। देखते हैं सौ साल बाद इस कालेज के प्रति सरकार की ओर से क्या सौगात निकलती है।

प्रदेश का सबसे पुराना अस्पताल धर्मशाला में मेडिकल कालेज स्थापित कर पाया और न ही उत्तर भारत के सबसे पुराने कालेज के रोशनदान केंद्रीय विश्वविद्यालय तक खुल पाए। मुकाम बदल गया तेरी हस्ती का, तुम्हें मालूम नहीं तुम्हारी चोरी हुई। बेशक हिमाचल में दर्जनों नए कालेज बन कर स्नातकोत्तर हो गए, मगर पाठ्यक्रम और पठन में अंतर नहीं आया। अब शिक्षण संस्थान मात्र राजनीतिक प्रेरणा के सबूत हैं, जबकि शैक्षणिक स्तर पर कभी माहौल को मापा जाता था। किसी शिक्षण संस्थान के सौ वर्ष का इतिहास महज अध्ययन या डिग्रियों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि शिक्षा वातावरण का सतत निर्माण है। इसी संदर्भ में धर्मशाला को शिक्षा का हब बनने का निरंतर अवसर मिला। जाहिर है यह मात्र कालेज नहीं पूरी एक सदी की शिक्षा कसौटी है। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी में, सिनेमा स्क्रीन पर, शिक्षा के आकाश में, मीडिया के मयार में, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में शरीक हुई हैं। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढ़ियों ने कई कारवां खड़े किए। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की प्रेरणा बना, तो यहां के दर्जनों प्रिंसीपल-प्राध्यापक शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। हैरानी यह कि धीरे-धीरे कालेज की गरिमा को सियासी ठेस लगती रही। फाइल कभी डीम्ड यूनिवर्सिटी तक इस परिसर को ले गई, मगर कोरी सियासत ने इस हक से महरूम कर दिया। अब भी सरकार चाहे तो विशाल परिसर के भीतर स्टेट कालेज की गरिमा में कुछ विषयों का राज्य स्तरीय अध्ययन का श्रेष्ठ केंद्र विकसित कर सकती है। स्पोर्ट्स अथारिटी के साथ एक खेल विंग यहां से चल सकता है।

कुछ अलग

भक्ति, प्रकृति संरक्षण और शुभ संकल्पों का पर्व

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवोत्थान एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। सनातन हिंदू धर्म में यह दिन भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने, चातुर्मास की समाप्ति और मांगलिक कार्यों के पुनः आरंभ का प्रतीक है। इस पर्व के साथ भक्ति, आत्मसंयम, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और गृहस्थ जीवन की नई शुरुआत के भाव भी जुड़े हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, देवउठनी एकादशी 20 नवंबर को सुबह लगभग 7 बजकर 15 मिनट पर आरंभ होकर 21 नवंबर को सुबह लगभग 6 बजकर 31 मिनट पर समाप्त होगी। सामान्य गृहस्थ परंपरा में व्रत 20 नवंबर को रखा जाएगा, जबकि वैष्णव संप्रदाय की कुछ परंपराओं में 21 नवंबर को भी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। देवउठनी एकादशी की धार्मिक मान्यता भगवान विष्णु की योगनिद्रा से जुड़ी है। मान्यता है कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं।

दृष्टि कोण

विकसित देश जिम्मेदारी निभाने को आगे आएं

धरती गर्म हो रही है। धरती के तापमान में 1850 से 1900 के बीच की अवधि की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई है। स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट, जिसे डब्ल्यूएमओ ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, तुर्किए में जारी किया है, वह आने वाले महासंकट की ओर इशारा कर रही है। पिछले चार वर्षों का इतिहास देख लीजिए, हर वर्ष मौसम गर्म हो रहा है। वर्ष 2024 को इस सदी के इतिहास का सबसे गर्म साल कहा गया था, लेकिन 2026 का मौसम भी इसके आसपास है। यह धरती पर जीवन के लिए अज्ञात कठिनाइयां पैदा कर सकता है। भारत में 2026 बहुत गर्म वर्ष रहा। बेशक, तापमान की यह उछाल 2026 को जहां एक गर्म वर्ष बना देती है, वहीं बारिश को बादल फटने और बाढ़ आने में तब्दील करके एक आपदा भी खड़ी कर देती है। उधर, हिमालय की चोटियों पर ग्लेशियरों की उम्र कम हो गई है। इसका कारण ग्लोबल वार्मिंग बताया जा रहा है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघल जाते हैं और वहां से पानी नीचे की ओर बहकर जलप्रलय की तबाही पैदा कर देता है। भारत ने इस वर्ष इसे भोगा। इसका सीधा नतीजा यह हुआ कि बुआई के लिए धरती कम हो गई, फसलों की गुणवत्ता कम हुई, जिससे अनाज के भंडारण में कमी पैदा हो गई। यही स्थिति अब गेहूं की फसल की न हो, जिसे हम बोने जा रहे हैं। इसलिए इस असंतुलन को पैदा करने वाले कारणों की थोड़ी पड़ताल कर लें। महासागरों का तापमान लगातार कई वर्षों से बढ़ रहा है और इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव ने इसे और बढ़ाया। भारत में कृषि तो पहले ही मानसून का जुआ थी, अब मौसम का जुआ बन गई है। पहला बड़ा कारण कार्बन उत्सर

सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में मंगलवार को ढाका में भिड़ेंगी दोनों टीमें

ढाका

गत चैंपियन भारतीय फुटबाल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी।

भारत ने अब तक रिकार्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी।

दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया।

भारतीय टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, अब तक टीम का सफर देखकर मैं बहुत खुश हूं। एक और फाइनल में पहुंचना खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इस दौरान हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने चरित्र, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का अवसर रहा है और अब हमें एक और महत्वपूर्ण कदम उठाना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला ग्रुप-बी में 5 नवंबर को हुए मैच का दोहराव होगा। उस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराया था। सुहैल अहमद भट ने दो गोल किए थे, जबकि मंगलेंथांग किपगेन ने एक गोल दागा था। भारतीय टीम ने 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में दो गोल करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया था। इसके बावजूद भारत ने जीत हासिल की थी।

पाकिस्तान ने इसके बाद मालदीव को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और फिर बांग्लादेश को शिकस्त दी। नाकआउट मुकाबलों से पहले विदेशों में खेलने वाले कई खिलाड़ियों के टीम से जुड़ने के कारण पाकिस्तान की टीम अब ग्रुप चरण में भारत के सामने उतरी टीम से अलग नजर आ रही है।

मूसा ने कहा, मुझे इस बार बिल्कुल अलग मुकाबले की उम्मीद है। ग्रुप चरण में हमने जिस पाकिस्तान का सामना किया था, अब उसकी टीम काफी अलग दिख रही है। उसके साथ कुछ नए खिलाड़ी जुड़े हैं। फाइनल हमेशा अलग तरह का मुकाबला होता है और दोनों टीमें अलग मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगी। पाकिस्तान ने हमारे पिछले मुकाबले का विश्लेषण किया होगा और हम उम्मीद करते हैं कि वह पूरी तैयारी तथा मजबूत प्रेरणा के साथ उतरेगा।

उन्होंने कहा, हम उनकी क्षमता और मजबूती का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी टीम पर रहेगा। हमें अपनी रणनीति को सही तरीके से लागू करना होगा, अनुशासन बनाए रखना होगा और महत्वपूर्ण मौकों पर सही फैसले



लेने होंगे। भारत ने सेमीफाइनल में भूटान को 2-1 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। विष्णु पीवी ने नौवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, जबकि कप्तान चिंगलेनसाना सिंह कोंशाम ने 27वें मिनट में दूसरा गोल किया। दूसरे हाफ की शुरुआत में भूटान ने एक गोल करके वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी बढ़त कायम रखी।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड ने स्पेन को उसी के घर में 3-2 से हराया, 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान थमा

मैड्रिड। इंग्लैंड ने नेशंस लीग मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूरो और विश्व कप विजेता स्पेन को उसी के



घरेलू मैदान पर 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ ही स्पेन का लगातार 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान समाप्त हो गया। टीम को मार्च 2024 में कोलंबिया के खिलाफ 0-1 की हार के बाद पहली बार शिकस्त झेलनी पड़ी है। इंग्लैंड ने स्पेन के खिलाफ पूरे मुकाबले में आक्रामक दबाव बनाए रखा। विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी इंग्लिश टीम की तेज प्रेसिंग के सामने स्पेनिश खिलाड़ी लगातार परेशानी में नजर आए। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल किया। यह इंग्लैंड के लिए उनका 93वां गोल रहा। इसके अलावा डिफेंडर एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने भी गोल दागे। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबल ने पेनल्टी पर गोल किया, जबकि निको विलियम्स ने दूसरा गोल किया। बार्सिलोना के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल की इन दोनों गोलों में अहम भूमिका रही। मुकाबले के अंतिम चरण में स्पेन ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने कई शानदार बचाव कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। क्वार्टर फाइनल का ड्रा शुक्रवार को निकाला जाएगा।

हर्षल पटेल अब गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते दिखेंगे, 4 करोड़ में हुई ट्रेड डील

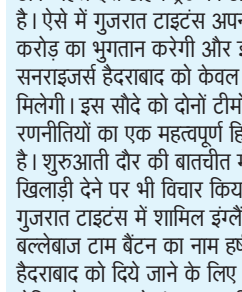
मुम्बई। युवा तेज गेंदबाज हर्षल पटेल अब सनराइजर्स हैदराबाद की जगह पर गुजरात टाइटंस से खेलते



दिखेंगे। हर्षल को 4 करोड़ पर ये करार हुआ। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हुए इस समझौते के तहत गुजरात टाइटंस की ओर से कोई भी खिलाड़ी हैदराबाद को नहीं दिया जाएगा। आईपीएल 2027 की रिटेंशन डेडलाइन, जो 17 नवंबर को निर्धारित है, से ठीक पहले इस अहम ट्रेड को अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे में गुजरात टाइटंस अपनी नीलामी राशि से 4 करोड़ का भुगतान करेगी और इसके बदले में सनराइजर्स हैदराबाद को केवल नकद राशि प्राप्त मिलेगी। इस सौदे को दोनों टीमों की आगामी रणनीतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। शुरुआती दौर की बातचीत में खिलाड़ी के बदले खिलाड़ी देने पर भी विचार किया गया था। वहीं गुजरात टाइटंस में शामिल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टाम बैंटन का नाम हर्षल के बदले में हैदराबाद को दिये जाने के लिए सामने आया पर लेकिन हैदराबाद ने इंकार कर दिया। हर्षल को सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारी 8 करोड़ खर्च कर अपनी टीम का हिस्सा बनाया था पर टाइटंस के साथ हुई नई डील में उनकी कीमत घटकर आधी, यानी 4 करोड़ रह गई है। यह दिखाता है कि हैदराबाद ने दो साल पहले चुकाई गई रकम के मुकाबले 50 फीसदी कम कीमत पर उन्हें ट्रेड करने का फैसला किया है, जो संभवतः उनके हाल के प्रदर्शन को देखते हुए लिया गया है। गौतलब है कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए हर्षल का पहला सत्र, यानी आईपीएल 2025, काफी प्रभावशाली रहा था।

डब्लयूपीएल 2027 में ब्रेबोर्न की जगह वानखेड़े में खेले जाएंगे मुकाबले

मुम्बई। अगले साल 2027 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के मुकाबलों में एक बदलाव किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इस टूर्नामेंट में पहले ब्रेबोर्न स्टेडियम में मैच रखे गये थे जिन्हें अब वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी महिला चैंपियंस ट्राफी 2027 की तैयारियों के कारण ये फैसला लिया गया है हालांकि इस बदलाव से टूर्नामेंट के मुंबई चरण के कार्यक्रम या तारीखों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और सभी 11 मुकाबले पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक आयोजित होंगे। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि मुंबई में होने वाले लीग मुकाबलों के साथ-साथ एलिमिनेटर और फाइनल भी अब वानखेड़े में ही खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब वानखेड़े स्टेडियम डब्लयूपीएल मैचों की मेजबानी करेगा। इस वेन्यू परिवर्तन का मुख्य कारण आईसीसी महिला चैंपियंस ट्राफी 2027 है, जिसकी मेजबानी ब्रेबोर्न स्टेडियम को 14 से 28 फरवरी तक करनी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी बड़े टूर्नामेंट के शुरू होने से 15 दिन पहले मेजबान स्थलों पर विशेष नियंत्रण की आवश्यकता होती है। यह नियम पिचों को तैयार करने और आयोजन स्थल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करता है। इसी कारण डबल्यूपीएल के मैचों को वानखेड़े में स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया। बीसीसीआई के फैसले के अनुसार, मुंबई चरण के तहत कुल 11 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें लीग चरण के 12वें से 20वें मुकाबले के साथ-साथ अहम एलिमिनेटर और फाइनल मैच भी शामिल हैं।



जय शाह लगातार दूसरी बार निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष नियुक्त, बोर्ड ने जताया भरोसा

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जय शाह को लगातार दूसरी बार अपना अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाली में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठकों के दौरान निदेशकों के प्रस्ताव के बाद शाह को निर्विरोध दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। इस फैसले से वैश्विक क्रिकेट के नेतृत्व में निरंतरता बनी रहेगी।

आईसीसी बोर्ड का यह निर्णय शाह के नेतृत्व में उसके भरोसे को दर्शाता है। क्रिकेट के वैश्विक विस्तार, प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और व्यावसायिक विकास के लिहाज से यह खेल के लिए महत्वपूर्ण दौर है। क्रिकेट लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में वापसी की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही आईसीसी ने प्रतियोगिताओं के लिए दीर्घकालिक कार्यक्रम का विस्तार भी घोषित किया है, जिससे अधिक खिलाड़ियों को भागीदारी और विकास के अवसर मिल सकेंगे।

बोर्ड ने क्रिकेट की बुनियाद मजबूत करने, महिला क्रिकेट के विकास को समर्थन देने, एसोसिएट सदस्यों के लिए अवसर बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की विश्वसनीयता बनाए रखने और खेल के दीर्घकालिक भविष्य के लिए टिकाऊ व्यावसायिक अवसर विकसित करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

दूसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त होने पर जय शाह ने आईसीसी के हवाले से कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सभी निदेशकों के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए मैं उनका दिल से आभार व्यक्त करता हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने कहा, हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का असाधारण अवसर है। शाह ने कहा, हमारी जिम्मेदारी केवल सफल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों को ध्यान में रखते हुए खेल के लिए अधिक मजबूत और टिकाऊ भविष्य तैयार करना



होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि लोगों को एकजुट करने की क्षमता ही क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत है। बोर्ड और अपने सदस्यों के समर्थन से हमारा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को ठोस कदमों में बदलने और ऐसी प्रगति सुनिश्चित करने पर होगा, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिले।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रिचर्ड थाम्पसन ने शाह की पुनर्नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा, जय का नेतृत्व ऐसे समय में जारी रहेगा, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। खेल तेजी से बदल रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखें तथा बड़ी प्रतियोगिताओं को खेल के भविष्य के केंद्र में रखें।

उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में क्रिकेट की परंपराओं और नवाचार, नए दर्शकों तथा बदलते व्यावसायिक परिदृश्य से मिलने वाले अवसरों के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा। आईसीसी की भूमिका सदस्यों को एक साथ लाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य की दिशा तय करने और इसे टिकाऊ बनाने में अहम है। मैं जय को उनकी पुनर्नियुक्ति पर बधाई देता हूं और खेल के इस महत्वपूर्ण अगले चरण में उनके तथा अन्य सदस्यों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

आईसीसी की स्वतंत्र निदेशक डा. रास रिवाज ने कहा, मैं जय को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त होने पर बधाई देती हूं। उनका नेतृत्व महिला क्रिकेट के विकास को और मजबूत करने तथा इसे आईसीसी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का केंद्रीय हिस्सा बनाए रखने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट को दुनिया भर में लगातार गति मिल रही है, लेकिन हमें उन खिलाड़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझनी होगी, जिनके खेलने के अवसर बाधित हुए हैं। जय के नेतृत्व में हर क्षेत्र में महिला क्रिकेटरों को समर्थन देने के प्रयासों को भी स्वीकार करना चाहिए। इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना और महिलाओं के लिए खेल से जुड़े रहने तथा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के नए रास्ते तैयार करना जरूरी है।

आईसीसी के उपाध्यक्ष एवं जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंग्वा मुकुहलानी ने कहा, जय ने मजबूत नेतृत्व क्षमता दिखाई है और क्रिकेट के भविष्य के लिए साझा दृष्टिकोण पर सभी सदस्यों को एकजुट करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उनका दृष्टिकोण इस बात को मान्यता देता है कि हमारे खेल की ताकत सभी सदस्यों के सामूहिक योगदान में है। आईसीसी के फैसले वैश्विक क्रिकेट के हित में होने चाहिए।

उन्होंने कहा, अफ्रीका के एक सदस्य के रूप में मैं आने वाले अवसरों को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हूं। 2027 में होने वाला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप इस महाद्वीप में नए दर्शकों तक खेल को पहुंचाएगा। यह अफ्रीकी क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जो इस क्षेत्र में खेल के विकास पर लंबे समय तक प्रभाव डाल सकता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के निदेशक रोजर ट्वोस ने कहा, जय की पुनर्नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण समय में निरंतरता और नेतृत्व प्रदान करेगी। खेल का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य सामूहिक रूप से कितना काम करते हैं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कितना मजबूत बनाते हैं और सभी प्रारूपों तथा बाजारों में खेल की लोकप्रियता कैसे बरकरार रखते हैं।

उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड हमेशा से मजबूत और टिकाऊ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था के महत्व को समझता रहा है। लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी सहित आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं को देखते हुए हमें खेल के वैश्विक विकास की गति को आगे बढ़ाना होगा और साथ ही उन परंपराओं तथा विशेषताओं को भी सुरक्षित रखना होगा, जो क्रिकेट को खास बनाती हैं। आईसीसी एसोसिएट सदस्य अध्यक्ष गुरुमूर्ति पलानी ने कहा, क्रिकेट को वास्तव में वैश्विक खेल बनाने के लिए विकास के हर चरण में सदस्यों को सार्थक अवसर देना जरूरी है। एसोसिएट सदस्यों के लिए इसका मतलब उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं तक बेहतर पहुंच, विकास के मजबूत रास्ते और टिकाऊ क्रिकेट ढांचे तैयार करने के लिए जरूरी निवेश है।

राष्ट्रीय टेबल टेनिस में उलटफेर, तीन वरीय खिलाड़ी बाहर



सुधांशु, सौरव और मोहम्मद अली को गैरवरीय खिलाड़ियों ने हराया; मनिका को क्वालीफाइंग में हराने वाली हिमांशी ने मुख्य दौर में भी दर्ज की जीत

फगवाड़ा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में खेली जा रही तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दिन पुरुष एकल में तीन बड़े उलटफेर देखने को मिले। 10वीं वरीयता प्राप्त सुधांशु ग्रोवर, 11वीं वरीयता प्राप्त सौरव साहा और 13वीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद अली को गैरवरीय खिलाड़ियों के हाथों हारकर प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। वहीं, महिला एकल में क्वालीफाइंग दौर में मनिका बत्रा को हराने वाली कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने मुख्य दौर में भी जीत दर्ज कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पुरुष एकल के राउंड आफ 64 में एलआईसी के सौगाता सरकार ने सुधांशु ग्रोवर को हराया, जबकि मध्यप्रदेश के सौम्यदीप सरकार ने सौरव साहा को पराजित किया। तमिलनाडु के के. अक्षय भूषण ने तेलंगाना के मोहम्मद अली को शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। हालांकि, अन्य 13 वरीय खिलाड़ियों ने अपने मुकाबले जीतकर राउंड आफ 32 में जगह बना ली।

हिमांशी ने फिर चौंकाया, महिला वर्ग में भी रोमांचक मुकाबले - महिला एकल के राउंड आफ 128 में 23 मुकाबले खेले गए। शीर्ष 16 वरीय खिलाड़ियों को पहले दौर में बाय मिला है। कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने पश्चिम बंगाल की नंदिनी साहा को 3-2 से हराया। हिमांशी ने इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में दिग्गज खिलाड़ी मनिका बत्रा को पराजित कर उलटफेर किया था। काजोल रामजाली ने पश्चिम बंगाल की बियास पाल को पांच गेम के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया, जबकि सेनहोरा डीसूजा ने सौम्या दास को शिकस्त दी। तमिलनाडु की नित्याश्री मणि, चंडीगढ़ की वाणी शर्मा और बीएनएस थानुजा ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

राहुल मलिक और आकाश पाल को भी मिली जीत - पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में पंजाब के राहुल मलिक ने महाराष्ट्र के नील मुल्ये को कड़े संघर्ष में पराजित किया। रेलवे के आकाश पाल ने एफसीआई के प्रनीत भास्कर को हराया। पुनीत बिस्वास ने अर्नव कर्नावर और अनीश सोंटकक्के ने सार्थ मिश्रा को 3-1 से शिकस्त दी। जी. साथियान ने कर्नाटक के पी. यशवंत को सीधे गेमों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के अगले चरण में पुरुष एकल के राउंड आफ 32 के मुकाबले खेले जाएंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में साफ्टबाल प्रतिस्पर्धी, सेलिंग प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल



नई दिल्ली। तेलंगाना में खेले जाने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में पहली बार साफ्टबाल को भी शामिल किया जाएगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 11 से 22 दिसंबर तक खेले जाएंगे। इस संस्करण में सेलिंग को भी प्रदर्शन खेल के तौर पर जगह मिली है। 12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में देशभर के कोने-कोने से लगभग 6000 युवा खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खिलाड़ियों के साथ करीब 1800 सपोर्ट स्टाफ भी आयोजन का अभिन्न हिस्सा होंगे, जो खेलों को सुचारु रूप से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस संस्करण की एक प्रमुख विशेषता साफ्टबाल का प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में पदार्पण है। इसे अब पदक के लिए होने वाली स्पर्धाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इस खेल के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, सेलिंग को एक प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया है। जिससे भविष्य में उसके भी पूर्ण प्रतिस्पर्धी खेल बनने की राह बनी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में कुल 27 प्रतिस्पर्धी खेल शामिल किए गए हैं, जो युवा एथलीटों को अपनी विशिष्ट क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए विविध मंच प्रदान करेंगे। इन खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बाक्सिंग, साइकिलिंग, फेंसिंग, फुटबाल, गतका, जिम्नास्टिक, हाकी, जूडो, कबड्डी, कलारीपयट्टु, खो-खो, मल्लखंब, रोइंग, शूटिंग, स्विमिंग, साफ्टबाल, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-टा, वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती और योगासन शामिल हैं।

मिर्रा आंद्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब, शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं

इंडियन वेल्स

रूस की 19 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी मिर्रा आंद्रीवा ने अपने पहले ही प्रयास में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। उन्होंने खिताबी मुकाबले में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर ट्राफी अपने नाम की। इस जीत के साथ आंद्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं।

आंद्रीवा ने एक घंटे 48 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना चैंपियन बनीं। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर साल का समापन भी सुनिश्चित कर लिया। अब 2027 सत्र की शुरुआत में उनके पास विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने का मौका होगा।

आंद्रीवा ने 2026 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। उनके नाम इस सत्र में टूर स्तर पर 55 जीत और चार खिताब रहे। डब्ल्यूटीए फाइनल्स के अलावा उन्होंने एडिलेड, लिंज और फ्रेंच ओपन में भी खिताब जीते।

पहले सेट में आंद्रीवा और स्वितोलिना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों



खिलाड़ियों ने शुरुआती दौर में एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। इसके बाद आंद्रीवा ने फिर स्वितोलिना की सर्विस तोड़कर अपनी बढ़त 5-3 कर ली। हालांकि, वह 5-4 पर सेट अपने नाम नहीं कर सकीं। इसके बाद उन्होंने स्वितोलिना की सर्विस तीसरी बार तोड़ी और दूसरे प्रयास में सेट 7-5 से जीत लिया।

दूसरे सेट में फ्रेंच ओपन चैंपियन आंद्रीवा ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने आखिरी दो गेम में केवल दो अंक गंवाए और 6-3 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ उन्हें 33.7 लाख अमेरिकी डालर की इनामी राशि भी मिली।

आंद्रीवा ने ग्रुप चरण में भी स्वितोलिना को हराया था और फाइनल में एक बार फिर उन्हें शिकस्त दी। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने 2026 की पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ भी शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में पहला सेट 1-4 से पिछड़ने के बाद आंद्रीवा ने लगातार 11 गेम जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी।

खिताब जीतने के बाद आंद्रीवा ने अपनी टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा, इस समूह का हिस्सा बनना शानदार महसूस हो रहा है। मैं अपनी टीम की बेहद आभारी हूं, जिसने मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए लगातार प्रेरित किया। मेरा साथ देने और मुझे वे सभी चीजें करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद, जो मुझे करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हर दिन मुझे बेहतर काम करने में मदद करती है, मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है और जब मेरा कुछ भी करने का मन नहीं होता, तब भी मुझे जरूरी काम करने के लिए मजबूर करती है। आंद्रीवा ने ट्राफी समारोह के दौरान खुद को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आखिरी व्यक्ति, जिसे मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, वह खुद मैं हूं।

मुंबई की 14 वर्षीय घुड़सवार तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में लेंगी हिस्सा

मुंबई

मुंबई की 14 वर्षीय उभरती घुड़सवार खिलाड़ी तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज 2026 के दक्षिण क्षेत्र मुकाबले में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 16 से 20 नवंबर तक बेंगलुरु के सर्ज स्टेबल्स में आयोजित होगी। मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए तारिणी राष्ट्रीय स्तर पर अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी।

ड्रेसाज में विशेषज्ञता रखने वाली तारिणी इससे पहले शो जंपिंग में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने कान्कोर्स साट नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। 10 वर्ष की उम्र में प्रतिस्पर्धी घुड़सवारी शुरू करने वाली तारिणी चेन्नई इक्विटेशन सेंटर में कोच इसाबेल हसलेडर और मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब में कोच बोबिन शेरिंग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। वह सप्ताह में पांच दिन घुड़सवारी का अभ्यास करती हैं। इसके साथ ही फिटनेस और शारीरिक मजबूती के लिए भी नियमित प्रशिक्षण लेती हैं।

तारिणी की अब तक की यात्रा में उनके घोड़े नाक आउट की अहम भूमिका रही है। दोनों ने 2025 में बेंगलुरु में आयोजित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में चिल्ड्रेन-1 ड्रेसाज स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। इस दौरान उन्होंने 65.841 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

दिसंबर 2025 में आयोजित जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप में भी तारिणी और नाक आउट ने शानदार प्रदर्शन किया। चिल्ड्रेन ग्रुप-1 ड्रेसाज टीम स्पर्धा में तारिणी ने व्यक्तिगत रूप से 70.154 प्रतिशत अंक हासिल किए।



उनके प्रदर्शन की बदौलत उनकी टीम ने कुल 272.579 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

हाल ही में ड्रीम अलायंस-6 प्रतियोगिता में इस जोड़ी ने 69.137 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद 71.85 प्रतिशत अंक के शानदार प्रदर्शन के साथ तारिणी ने इस वर्ष दिसंबर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

प्रतियोगिता से पहले तारिणी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बेंगलुरु में एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में हिस्सा लेने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं अपनी तकनीक, निरंतरता और प्रतिस्पर्धा के दौरान आत्मविश्वास बेहतर करने के लिए अपने कोच के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। नाक आउट के साथ मेरी साझेदारी मेरी यात्रा का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर घोड़े का अपना अलग व्यक्तित्व होता है और उसके साथ विश्वास तथा समझ विकसित करने में समय, धैर्य और काफी अभ्यास लगता है। नाक आउट मेरी प्रगति का अहम हिस्सा रहा है और मैं उसके साथ मुकाबले में उतरने के लिए उत्सुक हूं। मैं हर प्रतियोगिता को सीखने, खुद को चुनौती देने और एक बेहतर घुड़सवार बनने के अवसर के रूप में देखती हूं।

उनकी कोच इसाबेल हसलेडर ने कहा, तारिणी ने इस खेल के प्रति जबरदस्त प्रतिबद्धता और उत्साह दिखाया है। सीखने की उनकी इच्छा, प्रशिक्षण में अनुशासन और ड्रेसाज की बारीकियों पर काम करने की उनकी क्षमता सबसे खास है। नाक आउट के साथ उनकी साझेदारी लगातार बेहतर हुई है और मैदान में दोनों के बीच विकसित हुई समझ उनके प्रदर्शन का महत्वपूर्ण आधार रही है। तैयारी के दौरान हमारा ध्यान निरंतरता, सटीकता और विभिन्न गतिविधियों को पूरा करते समय आत्मविश्वास बढ़ाने पर रहा है।

हुसैन सागर संरक्षण के लिए जनजागरण अभियान शुरू

100 से अधिक सदस्यों ने लिया झील को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने का संकल्प



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वासवी क्लब बुद्ध पूर्णिमा द्वारा वासवी क्लब्स इंटरनेशनल के तत्वावधान में हैदराबाद की ऐतिहासिक हुसैन सागर झील के संरक्षण एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'आई लव हुसैन सागर लेक' जनजागरण अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर झील में संचालित खैर-उन-निसा बोट पर आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (टीजीडीसी) की उप महाप्रबंधक एन. मानवी जगन ने अभियान से संबंधित आकर्षक पोस्टर एवं प्रचार सामग्री का विमोचन किया। अभियान के अंतर्गत नागरिकों से झील को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक एवं कचरा नहीं फैलाने तथा इसके ऐतिहासिक एवं पर्यटन महत्व को बढ़ावा देने की अपील की गई। कार्यक्रम में 100 से अधिक सदस्यों ने 'आई लव हुसैन सागर लेक' की शपथ लेते हुए झील संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अभियान के परियोजना समन्वयक एवं एफटीसीसीआई की पर्यटन समिति के सह-अध्यक्ष डी. रामचंद्रम ने कहा कि हुसैन सागर 464 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है, जिसका निर्माण वर्ष 1562 में इब्राहिम कुली कुतुब शाह के शासनकाल में हुआ था। यह झील हैदराबाद शहर की स्थापना वर्ष 1591 से 29 वर्ष पुरानी है। उन्होंने कहा कि चारमीनार, गोलकोंडा किला और रामोजी फिल्म सिटी की तरह हुसैन सागर को भी पर्यटन के क्षेत्र में विशेष पहचान मिलनी चाहिए। बेहतर सुविधाओं, प्रचार-प्रसार और संरक्षण प्रयासों से इसे देश के प्रमुख शहरी झील पर्यटन स्थलों में विकसित किया जा सकता है।

वासवी क्लब बुद्ध पूर्णिमा के अध्यक्ष वी.एन. तेलुकुंटला वेंकट रघुराम ने कहा कि हुसैन सागर कोई कूड़ेदान नहीं, बल्कि हैदराबाद की अमूल्य ऐतिहासिक धरोहर और पहचान है। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही झील का संरक्षण संभव है।

क्लब द्वारा नागरिकों, विद्यार्थियों एवं पर्यटकों को 'लेक एंबेसडर' बनकर स्वच्छता, जिम्मेदार नौकायन और झील संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से फोटोग्राफी, सोशल मीडिया और जनजागरण कार्यक्रमों के जरिए हुसैन सागर के ऐतिहासिक महत्व एवं पर्यटन संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा।

नेकलेस रोड पर छठ महापर्व का भव्य समापन

गंगा आरती और लोकगीतों की छटा के बीच उदीयमान सूर्य को दिया गया अर्घ्य



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोक आस्था, पवित्रता और प्रकृति की उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से इस अवसर पर नेकलेस रोड स्थित बेबी पॉन्ड-1, हर्बल गार्डन के समीप तथा अंबरपेट के नल्लाकुंटा स्थित बतुकम्मा घाट पर दो दिवसीय छठ पूजा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की तथा अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण

नेकलेस रोड स्थित बेबी पॉन्ड घाट पर वाराणसी से आई विशेष टीम द्वारा प्रस्तुत भव्य गंगा आरती समारोह का मुख्य आकर्षण रही। मंत्रोच्चार और दीपों की रोशनी से जगमगाते घाट पर काशी के घाटों जैसा अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। वहीं, रांची (झारखंड) से पधारी प्रसिद्ध लोक गायिका तत्शा गुप्ता ने अपने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक छठ गीतों से समां बांध दिया। उनके गीतों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। हैदराबाद के प्रसिद्ध गायक पवन पांडेय और उनकी टीम ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं।

पदाधिकारियों ने संभाली आयोजन की जिम्मेदारी

संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के नेतृत्व और पूजा प्रभारी रघुबीर सिंह के मार्गदर्शन में नेकलेस रोड पर आयोजन की व्यवस्थाएं की गईं। वहीं, अंबरपेट घाट पर पूजा आयोजन की जिम्मेदारी संजीव मिश्रा ने संभाली। दोनों आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों की व्यवस्था, प्रकाश, साफ-सफाई, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विकास राज, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा सेवानिवृत्त अधिकारी अधार सिन्हा उपस्थित रहे।

अंबरपेट घाट पर प्रभारी संजीव मिश्रा एवं शिशिर मिश्रा के साथ शिवजी जायसवाल, शिवकुमार जायसवाल, गोपाल जायसवाल, विनोद जायसवाल और संतोष जायसवाल ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में गौतम राव, पार्टी सचिव, भारतीय जनता पार्टी; रवींद्र (रविंदर), महासचिव, गोलनाका; श्रीधर गौड़, अध्यक्ष, गोलनाका; अजय कुमार; चंद्रकांत यादव, पार्टी सचिव, गोलनाका; अरुण कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ठेकुआ प्रसाद का वितरण जारी रहेगा

विगत वर्षों की परंपरा के अनुसार इस बार भी छठ घाट पर बड़े पैमाने पर ठेकुआ प्रसाद का वितरण किया गया। संघ की ओर से बताया गया कि प्रसाद वितरण का यह क्रम आगामी कुछ दिनों तक जारी रहेगा। चार दिनों तक चले इस कठिन अनुष्ठान में व्रतियों ने नहाय-खाय और खरना के बाद अस्ताचलगामी सूर्य तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की।

समारोह के समापन पर संघ के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं, दानदाताओं, सहयोगियों, स्वयंसेवकों, प्रशासनिक अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे, स्वच्छता और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संघ भविष्य में भी समाज की एकजुटता और सहयोग से ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। आयोजन को सफल बनाने में संघ के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

बालिका शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन और हरियाणा प्राइवेट स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन के बीच एमओयू



भिवानी, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव (तिरुपति) की प्रेरणा से हरियाणा में बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति और प्राइवेट स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया।

भिवानी में आयोजित एसोसिएशन के वार्षिक खेल महाकुंभ-2026 के दौरान हुए इस समझौते के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की प्रतिभाशाली बेटियों को निःशुल्क शिक्षा अथवा फीस में रियायत दी जाएगी। हरियाणा के 850 से अधिक निजी विद्यालयों के माध्यम से पात्र छात्राओं की पहचान की जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में छात्राओं की कुल संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत तक बालिकाओं को इस योजना का लाभ मिल सकेगा।

इसके अतिरिक्त छात्राओं को उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, करियर काउंसलिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा चार्टर्ड अकाउंटेंसी और सिविल सेवा जैसे क्षेत्रों में मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप भी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि आर्थिक अभाव के कारण कोई प्रतिभाशाली बेटी शिक्षा से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

कार्यक्रम में विधायक घनश्याम सर्राफ, हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार, हरियाणा महिला विकास निगम की अध्यक्ष सुनीता डांगी, फाउंडेशन प्रमुख सरला बोथरा, सचिव हर्ष सरावगी, प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल...

राजीव गांधी ने सिकंदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाद में पायलट बने। कुछ अवसरों पर वह भी उनके साथ जाती थीं और दोनों घूमने निकलते थे।

इंडिया गेट पर आइसक्रीम खाना था मनोरंजन

शादी के बाद दिल्ली में बिताए दिनों को याद करते हुए सोनिया गांधी ने बताया कि इंडिया गेट पर आइसक्रीम खाना उन दिनों उनके मनोरंजन का प्रमुख साधन था। वहां आइसक्रीम बेचने वाले बहुत अच्छे थे। कई बार पैसे नहीं होने पर भी वे आइसक्रीम दे देते थे और कहते थे कि कोई बात नहीं, अगले दिन पैसे दे देना। उन्होंने इंडिया गेट पर आइसक्रीम बेचने वाले एक सरदारजी को भी याद किया।

इंदिरा गांधी को मां कहना था मुश्किल

सोनिया गांधी ने स्वीकार किया कि शुरुआती दिनों में वह इंदिरा गांधी से डरती थीं और समझ नहीं पाती थीं कि उनसे किस तरह बात करें। राजीव और संजय गांधी उन्हें मां कहते थे, इसलिए उनसे भी यही अपेक्षा थी कि वह इंदिरा गांधी को मां या मम्मी कहें। लेकिन सोनिया के लिए यह आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी अपनी मां इटली में थीं और उनके लिए मां केवल एक ही थीं। इसलिए वह इंदिरा गांधी को सीधे संबोधित करने से बचने का प्रयास करती थीं। हालांकि, धीरे-धीरे उनके संबंध सामान्य होते गए। सोनिया ने बताया कि जब इंदिरा गांधी को गुस्सा आता था तो उन्हें अपने पिता की याद आ जाती थी और वह बिल्कुल शांत हो जाती थीं। उस समय राजीव और संजय भी चुप रहते थे और उनके गुस्से के शांत होने का इंतजार करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राजीव गांधी को भी कभी-कभी बहुत गुस्सा आता था।

राहुल के नामकरण पर हुआ था विवाद

राहुल गांधी के नामकरण से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग साझा करते हुए सोनिया ने बताया कि राहुल के जन्म के करीब एक साल बाद नामकरण समारोह आयोजित किया जा रहा था। इंदिरा गांधी सभी तैयारियां करवा रही थीं। पंडितजी को बुलाने से लेकर कार्यक्रम की व्यवस्था तक सब कुछ उन्हीं के हाथ में था।

इस पर सोनिया ने कहा था, 'हेलो, वह मेरा भी बेटा है। वह सिर्फ आपका पोता नहीं है।' उन्होंने बताया कि भारतीय परिवार में आने के बाद कई बार ऐसा महसूस होता है कि सभी निर्णय परिवार के बड़े सदस्य ही लेते हैं। इस बात पर उनका इंदिरा गांधी से मतभेद हुआ था।

बाद में इंदिरा गांधी ने उनसे माफी मांगते हुए कहा कि वह आदेश देने की आदी हो चुकी थीं और इस बात पर उन्होंने पहले विचार ही नहीं किया था। सोनिया ने बताया कि इंदिरा गांधी ने उन्हें अनुशासन, समय की पाबंदी, साहस और दृढ़ निश्चय जैसे गुण सिखाए।

गर्लफ्रेंड संग...

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा सोनिया गांधी पहली बार मिले थे।

राहुल गांधी ने मंच से कहा कि उन्हें राजनीति पर कुछ नहीं बोलने के सख्त निर्देश मिले हैं, जिनका वह पालन करेंगे। हालांकि, एक बेटे के रूप में वह चाहते थे कि उनकी मां के व्यक्तित्व की भी कुछ झलक लोगों के सामने आए।

उन्होंने बताया कि कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड से कहा कि चलो वर्सिटी रेस्तरां चलते हैं। उसे इस स्थान के बारे में जानकारी नहीं थी। राहुल ने बताया कि वह यह देखना चाहते थे कि उनके माता-पिता पहली बार कहां मिले थे।

रेस्तरां पहुंचने पर उन्हें आज भी वहां का पीले रंग का दरवाजा याद है। प्रवेश द्वार पर खड़े एक कर्मचारी ने उनसे पूछा कि कितने लोग हैं। राहुल ने जवाब दिया कि दो लोग हैं। इसके बाद कर्मचारी ने उन्हें बैठने के लिए कहा और मेन्यू दिया।

राहुल गांधी ने कर्मचारी को बताया कि उनके माता-पिता इसी रेस्तरां में मिले थे। इस पर कर्मचारी ने कहा कि वह उन दोनों को जानता है। राहुल ने उससे पूछा कि वह उनके बारे में क्या जानता है, तो कर्मचारी ने कहा कि वह समझ गया है कि राहुल किनकी बात कर रहे हैं।

इसके बाद राहुल ने उससे पूछा कि मेन्यू में क्या अच्छा है। कर्मचारी ने चिकन चेजर खाने की सलाह दी। राहुल ने दो प्लेट मंगवाईं और दोनों ने साथ बैठकर भोजन किया।

मां से जुड़ी कई भावुक बातें साझा कीं

राहुल गांधी ने अपनी मां के जीवन से जुड़े कई भावुक प्रसंग भी साझा किए। उन्होंने कहा कि परिवार ने पहले इंदिरा गांधी को गोली लगने की घटना देखी और बाद में उनके पिता राजीव गांधी की भी दर्दनाक हत्या हुई। उन्होंने कहा कि वह अक्सर अपनी मां से इस विषय पर चर्चा करते हैं। सोनिया गांधी की याददाश्त बहुत अच्छी है और वह बहुत सी बातें कभी नहीं भूलतीं, लेकिन जब उनसे राजीव गांधी की मृत्यु के समय की घटनाओं के बारे में पूछा जाता है तो उन्हें कुछ याद नहीं रहता। राहुल ने बताया कि पुस्तक में लिखी गई कई बातें उनकी बहन प्रियंका और उनकी मां ने मिलकर तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शानदार जीवन और दो लोगों के बीच गहरे प्रेम की कहानी है, जो एक ही दिन में समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि वह समय सोनिया गांधी के लिए बेहद डरावना था, क्योंकि उन्हें पता था कि क्या होने वाला है। पुस्तक में राजीव और सोनिया गांधी के बीच गहरे जुड़ाव और प्रेम के साथ-साथ राजीव गांधी के जाने के बाद सोनिया की नई जीवन यात्रा का भी उल्लेख है।

कतार ...

प्रमुख अखिलेश यादव बैठे नजर आए। वहीं, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की पहली पंक्ति में मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी रही।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बताई उपस्थिति की वजह

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह यहां एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपनी पुस्तकों का विमोचन किया था, तब सोनिया गांधी उनके तीन विमोचन कार्यक्रमों में शामिल हुई थीं।कार्यक्रम की पहली पंक्ति में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं को स्थान दिया गया था, जबकि दूसरी पंक्ति में कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री नजर आए।

कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता पहुंचे

दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में 'इंडिया' गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी और डिंपल यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला भी कार्यक्रम में नजर आए। पहली पंक्ति में हामिद अंसारी, मीरा कुमार, कैप्टन अमरिंदर सिंह, हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, डिंपल यादव, अखिलेश यादव और सोनिया गांधी बैठे थे।

महँगाई ...

दूसरी ओर, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई में थोड़ी कमी आई। इससे संकेत मिलता है कि कीमतों का दबाव मुख्य रूप से ऊर्जा से जुड़ी वस्तुओं पर रहा। अक्टूबर में केवल थोक महंगाई ही नहीं, बल्कि खुदरा महंगाई दर में भी तेजी दर्ज की गई। जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य महंगाई बढ़कर 6.09 प्रतिशत हो गई।

देश में खुदरा महंगाई लगातार पांच महीनों तक भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से ऊपर रही। इसके साथ ही यह दो वर्षों में पहली बार 6 प्रतिशत की सीमा पार कर गई।

महंगाई को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में गिरावट से कुछ राहत मिल सकती है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट में रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के मुख्य अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल के हवाले से कहा गया है कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में लगातार गिरावट के कारण नवंबर में थोक महंगाई कुछ कम हो सकती है।

मध्य पूर्व से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आपूर्ति सुचारू होने की उम्मीद के बीच तेल की कीमतें घटकर 95 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं।

हालांकि, डीबीएस बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक राधिका राव ने कहा कि तेल की बढ़ी हुई कीमतें अभी भी महंगाई के भविष्य के परिदृश्य के लिए बड़ा जोखिम बनी हुई हैं।

अब मथुरा...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लगातार हिंदुत्व, सनातन संस्कृति और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर विपक्ष को घेरते रहे हैं। भाजपा की कोशिश है कि 2027 के चुनाव से पहले अपने पारंपरिक हिंदुत्व एजेंडे को और मजबूत किया जाए तथा विभिन्न जातियों में बंटे हिंदू मतदाताओं को एकजुट किया जाए। हालांकि, भाजपा और योगी सरकार यह भी समझती है कि केवल धार्मिक मुद्दों के सहारे चुनावी जीत सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसलिए धार्मिक पर्यटन के साथ बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं पर भी जोर दिया जा रहा है। अयोध्या में राम मंदिर और शहर का विकास, वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम तथा मथुरा में धार्मिक पर्यटन से जुड़ी योजनाएं इसी रणनीति का हिस्सा हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह से जुड़ा विवाद लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले मथुरा में आयोजित भाजपा की यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

2027 में तीसरी ...

भाजपा की दो दिवसीय चिंतन बैठक में पार्टी के 54 वरिष्ठ नेता और प्रदेश नेतृत्व से जुड़े सदस्य भाग ले रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि बैठक में शामिल नेताओं के पास व्यापक अनुभव है और बैठक के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और जनता के बीच सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं है। गरीबों का विश्वास भाजपा के साथ है और पार्टी उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिए काम कर रही है।

केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के मत प्रतिशत को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि कुल 100 प्रतिशत मतों में से 60 प्रतिशत मत भाजपा के हैं, जबकि शेष 40 प्रतिशत मत अलग-अलग समूहों में बंटे हुए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस बंटे हुए मत प्रतिशत में भी भाजपा की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि इसी विश्वास के साथ पार्टी जनता के बीच जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को मथुरा की चिंतन बैठक में शामिल होंगे।

दो दोषियों ...

हाईकोर्ट ने दोनों की दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। दोषियों की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी कि उन्हें घटना के करीब तीन साल बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वे 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी अपील में कानून और तथ्यों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल हैं, जिन पर अभी निर्णय होना बाकी है। इसी आधार पर अदालत ने निचली अदालत को जमानत की शर्तें निर्धारित करने का निर्देश दिया।

क्या है बिलकिस बानो मामला?

यह मामला 2002 में गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान का है। इस दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुल 11 लोगों को दोषी ठहराया गया था।

जनवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसके तहत अगस्त 2022 में सभी 11 दोषियों को समय से पहले रिहा कर दिया गया था। अदालत ने सभी दोषियों को वापस जेल जाने का निर्देश दिया था।

नारा-ए-राहुल...

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2018 में एक राजनीतिक दल के सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस की यात्रा के दौरान फिलिबेक को मैक्टन-सेबू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया था। फिलीपींस के आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कथित अवैध राजनीतिक गतिविधियों के कारण उनका नाम प्रतिबंधित सूची में है। इसके बाद उसी दिन उन्हें वापस भेज दिया गया।

फिलीपींस ने यह कार्रवाई अक्टूबर 2017 में उनके एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मिशन में शामिल होने से जोड़ी थी। इस मिशन में तत्कालीन राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान की आलोचना की गई थी और कथित गैर-न्यायिक हत्याओं की जांच की मांग की गई थी। फिलीपींस के अधिकारियों का कहना था कि विदेशी नागरिकों को देश की राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं है। उन्होंने इस निष्कासन को अपने संप्रभु अधिकार के तहत लिया गया निर्णय बताया। फिलिबेक की पार्टी पीईएस ने इस निष्कासन की निंदा करते हुए इसे आलोचना की आवाज दबाने का प्रयास बताया था। पार्टी ने इस मामले को तत्कालीन यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख फेडेरिका मोघेरिनी के कार्यालय के समक्ष भी उठाया था।

इमरान ...

पहले यह 130, फिर 150, उसके बाद 170 और पिछले सप्ताह 192 तक पहुंच गया था। 10 नवंबर को यह 193 दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें मस्तिष्क में रक्तस्राव और हृदयाघात का गंभीर खतरा बताया है। उनका कहना है कि उनका हृदय पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुका है और 74 वर्ष की उम्र में लगातार बनी यह स्थिति उनके जीवन के लिए बड़ा खतरा बन रही है।

22 घंटे एकांत कारावास में रखने का आरोप

इमरान खान ने आरोप लगाया कि उन्हें प्रतिदिन 22 घंटे तक एकांत कारावास में रखा जा रहा है। इस दौरान उन्हें परिवार, वकीलों और विदेश में रह रहे अपने बेटों से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्हें किताबें पढ़ने और टेलीविजन देखने की सुविधा से भी वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक अकेले रहने का उनकी मानसिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। जेल के चिकित्सा बोर्ड ने भी उनकी बेचैनी और चिंता को दर्ज किया था तथा परिवार से अधिक संपर्क रखने की सलाह दी थी, लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया।

दाहिनी आंख की 85 प्रतिशत रोशनी जाने का दावा

इमरान खान ने अपनी आंखों की रोशनी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनके अनुसार, फरवरी में वकील बैरिस्टर सलमान सफदर से मुलाकात के दौरान उन्हें पता चला था कि उनकी दाहिनी आंख की 85 प्रतिशत रोशनी जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्थिति की जानकारी उनके परिवार और वकीलों को भी नहीं दी गई थी।

पूछता है ....

तथा मतदाता सूची को केंद्रीय नियंत्रण में रखने का फैसला किसका था? विपक्षी नेताओं का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कथित मतदाता सूची संबंधी अनियमितताओं और पुनरीक्षण से जुड़े प्रमुख सवालों का जवाब नहीं दिया है। उनका कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में गंभीर खामियों के कारण बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिससे कथित वोट चोरी का रास्ता साफ हुआ।

तकनीकी रिकॉर्ड छिपाने का आरोप

याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि निर्वाचन आयोग के हलफनामे में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) पते और अन्य तकनीकी रिकॉर्ड शामिल नहीं किए गए हैं। इसे तथ्यों को छिपाने का संकेत बताया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 17 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तीन पावन ज्योतियों की त्रिवेणी और दो दिव्य विग्रहों का भाग्यनगर में भव्य स्वागत



पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्र हिल्स में आज होगा दिव्य आगमन

राजस्थान के तीन पावन धामों की आस्था का होगा अनूठा संगम

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

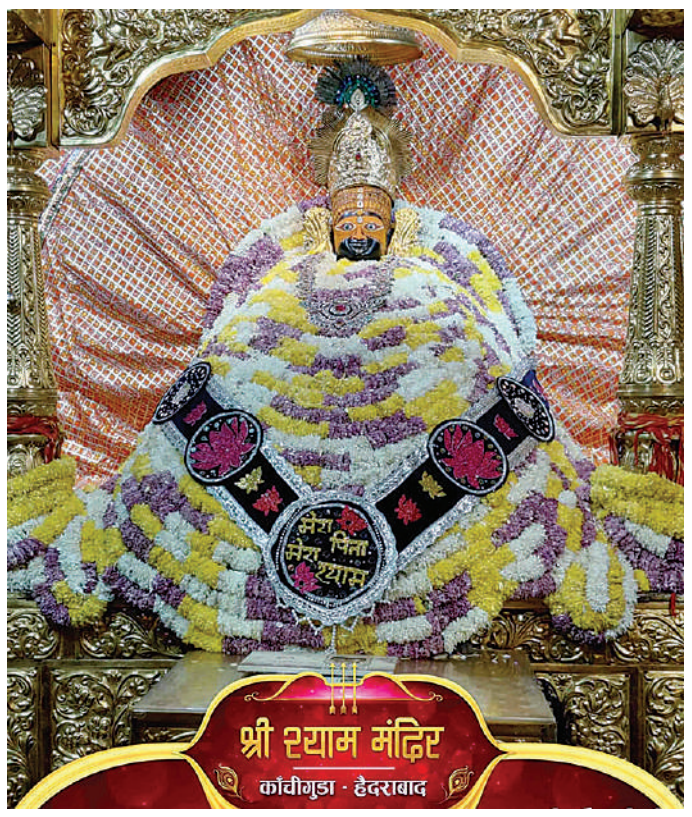
भाग्यनगर की पावन धरा पर 17 नवंबर को एक अनूठा आध्यात्मिक एवं भक्तिमय आयोजन होने जा रहा है। राजस्थान के तीन प्रमुख धार्मिक धामों–श्री सालासर धाम, श्री जीण धाम एवं श्री खाटू धाम–की पावन ज्योतियों की त्रिवेणी तथा माँ जीण माता और श्री श्याम बाबा के दो दिव्य विग्रहों का हैदराबाद में भव्य आगमन होगा। इस पावन अवसर पर श्री सालासर बालाजी धाम से पावन ज्योत, श्री जीण माता धाम से माँ जीण माता का दिव्य स्वरूप एवं पावन ज्योत तथा श्री खाटू श्याम धाम से बाबा श्याम का दिव्य विग्रह एवं पावन ज्योत भाग्यनगर लाए जा रहे हैं। तीनों धामों की पावन ज्योतियों और दोनों दिव्य विग्रहों का शुभागमन 17 नवंबर 2026 को सायं 7 बजे पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्र हिल्स में होगा। यहाँ दिव्य विग्रहों एवं ज्योतियों को विश्राम कराया जाएगा।

इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर पर पहाड़ी श्याम मंदिर एवं श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट के चेयरमैन श्री अरुण डाकोतिया के संरक्षण, मार्गदर्शन एवं देखरेख में स्वागत की विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं। आयोजन को लेकर श्याम भक्तों और माँ जीण माता के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

राजस्थान की पावन धरा से तीन प्रमुख धामों की ज्योतियों का एक साथ भाग्यनगर पहुँचना तथा माँ जीण माता एवं बाबा श्याम के दिव्य विग्रहों का आगमन नगर के श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय है। यह आयोजन केवल धार्मिक स्वागत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान और भाग्यनगर के बीच श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक परंपरा का एक सुंदर सेतु भी है।

आयोजकों ने समस्त श्याम प्रेमियों, माँ जीण माता के भक्तों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से सादर आग्रह किया है कि वे 17 नवंबर को सायं 7 बजे पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्र हिल्स पहुँचकर इस दिव्य आगमन एवं भव्य स्वागत समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों और इस पुण्यमयी बेला के साक्षी बनें।

तीन पावन ज्योतियों की त्रिवेणी और दो आराध्य देवों के दिव्य विग्रहों का यह आगमन भाग्यनगर के आध्यात्मिक इतिहास में एक नया एवं अविस्मरणीय अध्याय जोड़ने जा रहा है।





फिलखाना स्थित वैष्णव बैम्स एंड टॉयज़ में भारतीय जनता युवा मोर्चा, गोलकोंडा जिला के प्रवक्ता दुर्गा शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ब्राह्मण सभा के महासचिव आदरणीय श्री रामदेव नागला जी को सम्मानपूर्वक भेंट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुनील शर्मा एवं राधिका शर्मा भी उपस्थित रहे।

जहां सेवा का भाव, वहीं ईश्वर का वास : नंदकिशोर अग्रवाल



हैदराबाद।राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265–ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि जहां सेवा का भाव होता है, वहीं ईश्वर का वास होता है। जरूरतमंदों की सेवा करना और भूखे व्यक्ति को भोजन करवाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सार्थकता तभी है, जब व्यक्ति अपने सुख के साथ दूसरों के दुख और जरूरतों को भी समझे तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज के प्रति योगदान दे।उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ नियमित रूप से अन्नसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुशील गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, ई–जगन चंपापेट एवं भगत राम गोयल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण की भावना से ही मिलता है मानव सेवा का अवसर : पन्नालाल अग्रवाल



हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सेवा और समर्पण का भाव ही व्यक्ति को मानव सेवा के कार्यों से जोड़ता है। जब मन में दूसरों के प्रति संवेदना, सहयोग और परोपकार की भावना जागृत होती है, तभी व्यक्ति निस्वार्थ भाव से समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए आगे आता है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल किसी को भोजन उपलब्ध करवाना ही नहीं, बल्कि किसी के जीवन में खुशियां और संतोष लाने का माध्यम भी है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निष्ठा और निरंतरता के साथ अन्नसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, नरेश बंसल, राजेश सर (योग), लता गोयल एवं मीना अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मिधानि के तत्वावधान में
एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के अंतर्गत रक्षा मंत्रालय के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में उद्यम के अधिकारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मिधानि में कार्यरत आधिकारियों व कर्मचारियों को दैनिक कार्यों में कार्यालयीन शब्दावली व लघु टिप्पणियों का प्रयोग, कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग टूल्स, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सी–डैक के सहयोग से विकसित अनुवाद टूल भारती, भाषिणी, शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विभिन्न तकनीकी विषयों से संबंधित शब्दावलियों की जानकारी सहित राजभाषा नीति के अंग संवैधानिक प्रा–वधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 के अनुपालन से परिचित कराना रहा।

तीन सत्रों में आयोजित कार्यशाला के पहले सत्र उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए मिधानि में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिए लागू की गई योजनाओं के बारे में बताया।

राजभाषा संबंधी वार्षिक कार्यक्रम 2026–27 की मुख्य बिंदुओं से अवगत कराकर संशोधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की मदों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) द्वारा सभी 22 भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावलियों का एक बहुभाषी पोर्टल शब्द और आधिकारिक वेबसाइट सीएसटीटी लॉन्च की गई है। उन्होंने बताया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर मानक शब्दावली: विज्ञान (भौतिकी, रसायन, गणित), मानविकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और कृषि जैसे क्षेत्रों के लाखों मानक तकनीकी शब्द, प्रशासनिक शब्दावली: विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली और विभाग–वार शब्दावली: केंद्रीय भंडारण निगम और अन्य मंत्रालयों/सार्वजनिक उपक्रमों का विशिष्ट शब्द–संग्रह आदि मुख्य शब्दावलियाँ उपलब्ध हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपना दैनिक कामकाज हिंदी में करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि हिंदी में तकनीकी लेखन के लिए सीएसटीटी की वेबसाइट और शब्द जैसे सरकारी पोर्टल का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

दूसरे सत्र सत्र में रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ काज़िम अहमद ने प्रतिभागियों को राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 के अनुपालन की जानकारी देते हुए राजभाषा संबंधी लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा संबंधी वार्षिक कार्यक्रम 2026–27 में निर्धारित लक्ष्यों को ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को राजभाषा में काम किए जाने वाले संभावित क्षेत्रों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

तीसरे सत्र में ईसीआईएल के पूर्व प्रबंधक एवं प्रभारी (कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र–राजाभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने संभाषण में भाषा का महत्व और कार्यालय में टिप्पणी लेखन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं रहती, बल्कि निर्णय का आधार बन जाती है, इसीलिए अधिकारी का भाषा–कौशल उसकी प्रशासनिक क्षमता का ही अंग माना जाता है। टिप्पण–लेखन में स्थिति फनियम फ विकल्प फ स्पष्ट प्रस्ताव का क्रम अपनाने और उचित कार्रवाई की जाए जैसे अस्पष्ट वाक्यों से बचने की सलाह दी गई, क्योंकि सूचना के अधिकार के बाद फाइल टिप्पणियाँ सार्वजनिक अभिलेख हैं। कार्यशाला में राजभाषा नियम, 1976 के व्यावहारिक प्रावधानों, मानक कार्यालयी शब्दावली तथा सरल भाषा के अंतरराष्ट्रीय मानक आईएसओ 24495–1:2023 पर भी चर्चा हुई।

अंत में सभी प्रतिभागियों ने राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए शपथ ली, लिखित रूप में अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की और कार्यशाला को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी अनुवादक डॉ. विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल की सक्रिय भूमिका रही।



जुबली हिल्स स्थित मेबाज में भारतीय शादी के सीजन का जश्न अनूठे अंदाज में 'बीवाईओबी' (ब्रिंग योर ओन बारात) थीम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मेबाज ने अपना सबसे विशेष एवं विशाल वेडिंग कलेक्शन लॉन्च किया। भव्य बारात समारोह में अभिनेत्री ऋतु चौधरी, अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा, मिस इंडिया तेलंगाना–2023 उर्मिला चौहान सहित अनेक फैशन प्रेमियों ने शिरकत की।

सेवा की भावना ही इंसान को इंसानियत से जोड़ती है : आशा अग्रवाल



हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि सेवा की भावना ही इंसान को इंसानियत से जोड़ती है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार का स्वार्थ, अपेक्षा या दिखावा न हो, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति प्रेम, करुणा और अपनत्व का भाव हो। उन्होंने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य को निभाना है। आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ नियमित अन्नसेवा कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब हम किसी जरूरतमंद की पीड़ा को समझकर उसकी सहायता के लिए आगे आएं।

इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता एवं हरीश तोलाराम हिंदुजा सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ अन्नसेवा कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

भारत समिट में जियाकोमो फिलिबेक की राजनीतिक टिप्पणी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

टी. उमामहेंद्र के नेतृत्व में प्रदर्शन, प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों से कूटनीतिक मर्यादा बनाए रखने की अपील

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित भारत समिट में पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स (पीईएस) के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक द्वारा की गई कथित राजनीतिक टिप्पणी के विरोध में भाजपा गोलकुंडा जिला की ओर से प्रदर्शन किया गया। सोमवार को जुमेरात बाजार स्थित रानी अवंतीबाई की प्रतिमा के समीप भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री टी. उमामहेंद्र के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया।



वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे पर जताई आपत्ति

समिट में अपने राजनीतिक संबोधन के दौरान जियाकोमो फिलिबेक ने कथित तौर पर वोट चोर, गद्दी छोड़ का राजनीतिक नारा लगाया था, जिसका बाद में अंग्रेजी अनुवाद तींश ंिहळशष, श्रशर्रींश ्ंाी ंिशरीं किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इन्हें अनुचित बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि किसी विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधि द्वारा भारत के आंतरिक लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मामलों पर इस प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है।

प्रतीकात्मक पुतला दहन कर दर्ज कराया विरोध

टी. उमामहेंद्र के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन किया और अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि भारत के लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान सर्वोपरि है। भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक प्रतिनिधियों को कूटनीतिक मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।

प्रदर्शन में भाजपा जिला सचिव श्री नटराज नामधारी, महासचिव श्री एम. कृष्णा, ओबीसी मोर्चा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री वेंकटेश गौड़, सचिव श्री कट्टा नरसिम्हा, उपाध्यक्ष श्री बी. नरसिम्हा, सचिव श्री रमेश लाल यादव, सचिव श्री शिवा यादव, एससी मोर्चा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री पूर्णचंद्र तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री राहुल यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसेवा संघ के मार्गदर्शन में 30 घाटों पर छठ महापर्व भव्य रूप से संपन्न

नेकलेस रोड घाट पर 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मनाया पर्व

आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न होने पर संघ ने जताया आभार



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जनसेवा संघ द्वारा आयोजित छठ पूजा महापर्व हमारे प्रेरणा-स्रोत श्री वी.के. सिंह साहब के कुशल नेतृत्व एवं समय-समय पर प्राप्त मार्गदर्शन के फलस्वरूप हैदराबाद के लगभग 30 घाटों पर भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस वर्ष छठ महापर्व का आयोजन किसी भी अप्रिय घटना के बिना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

संयोजक और घाट प्रभारियों का सराहनीय योगदान

छठ पूजा महापर्व समिति के संयोजक श्री आर.पी. सिंह एवं उनकी टीम के साथ सभी घाटों के घाट प्रभारियों और उनकी टीमों का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। विशेष रूप से नेकलेस रोड घाट पर श्री वी.के. सिंह के कुशल नेतृत्व तथा सभी प्रभारियों एवं कार्यकर्ताओं के महत्वपूर्ण सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष नेकलेस रोड घाट पर लगभग 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पहुंचकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ छठ महापर्व मनाया।

आयोजन के दौरान सभी घाटों पर पुलिस, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), नगर पालिका तथा अन्य सरकारी संस्थाओं ने अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किया। सरकार की ओर से भी हर संभव सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे इतने बड़े स्तर पर छठ महापर्व का आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका।

जनसेवा संघ ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले श्री वी.के. सिंह, समिति के संयोजक श्री आर.पी. सिंह, सभी घाट प्रभारियों, कार्यकर्ताओं, पुलिस प्रशासन, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, नगर पालिका, सरकारी संस्थाओं एवं सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संघ ने कहा कि भविष्य में भी सभी के सहयोग से छठ महापर्व को और अधिक भव्य एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जाएगा।

इंदिराम्मा परिवार जीवन बीमा योजना 19 से : भूपति रेड्डी



निज़ामाबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

निज़ामाबाद ग्रामीण के विधायक भूपति रेड्डी ने कहा कि राज्य के प्रत्येक परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कांग्रेस सरकार आगामी 19 नवंबर से इंदिराम्मा परिवार जीवन बीमा योजना शुरू करेगी। ग्रामीण मंडल विकास अधिकारी (एमपीडीओ) कार्यालय में चेयुथा योजना के लाभार्थियों को पेंशन संबंधी दस्तावेज सौंपते हुए उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राज्यभर में 1.19 करोड़ परिवारों तथा निज़ामाबाद जिले के कुल 4,51,088 परिवारों को बीमा सुविधा प्रदान की जाएगी।

विधायक ने बताया कि यह योजना उन परिवारों के लिए लागू होगी, जिनके पास राशन कार्ड है और परिवार के मुखिया की आयु 18 से 59 वर्ष के बीच है। परिवार के मुखिया की मृत्यु होने पर सरकार की ओर से संबंधित परिवार को 5 लाख रुपये का बीमा मुआवजा प्रदान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों का पंजीकरण करने के लिए अधिकारी 19 से 30 नवंबर तक गांवों एवं परिवारों का दौरा करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि अधिकारी जब उनके पास आएं, तो परिवार के मुखिया तथा लाभार्थियों से संबंधित आवश्यक विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि पात्र परिवार योजना में पंजीकृत हो सकें। विधायक ने सभी पात्र लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने और अपना पंजीकरण कराने का आग्रह किया।

विधायक भूपति रेड्डी ने बताया कि इंदिराम्मा परिवार जीवन बीमा योजना के साथ ही राज्य सरकार निज़ामाबाद जिले में लगभग 20 हजार नई पेंशनें भी प्रदान करेगी। इस योजना के तहत दिव्यांगों, एकल महिलाओं एवं विधवाओं को पेंशन का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने सभी लोगों से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों में भाग लेकर उनका लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम में शेखर गौड़, सहायक कलेक्टर भुजंगा राव, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी (डीआरडीओ), परियोजना निदेशक (पीडी), पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष यादगिरी, ग्रामीण मंडल मलकापुर-ए, सरपंच कतुरी नीरज कार्तिक, विष्णुवर्धन, बागिरथी, बागा रेड्डी, गांधारी, बागा रेड्डी, ग्राम सरपंचों, मंडल अधिकारियों तथा चेयुथा पेंशन योजना के लाभार्थियों सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मलकपेट शाखा का दीपावली स्नेह मिलन, अन्नकूट प्रसाद एवं साधारण सभा आयोजित



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा, महिला शाखा एवं युवा मोर्चा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन, अन्नकूट प्रसाद एवं साधारण सभा का भव्य आयोजन उप्पल स्थित आत्म गौरव भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन एवं माता महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात महिला शाखा की ओर से गणेश वंदना प्रस्तुत की गई तथा माता महालक्ष्मी को 108 दीप अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों एवं समाज बंधुओं का स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। शाखा के सचिव प्रदीप बंसल ने गत वर्ष की साधारण सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल ने शाखा की ओर से वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। महिला शाखा की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल ने महिला शाखा की वार्षिक गतिविधियों का विवरण दिया, जबकि युवा मोर्चा शाखा के अध्यक्ष हर्ष बंसल ने युवा मोर्चा की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। आत्म गौरव भवन के चेयरमैन एवं मलकपेट शाखा के सलाहकार राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे सदैव मलकपेट शाखा के साथ खड़े रहेंगे तथा शाखा के प्रत्येक सामाजिक एवं रचनात्मक कार्य में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। आत्म गौरव भवन के कोषाध्यक्ष एवं शाखा के सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल ने भी सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए आत्म गौरव भवन में कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल, ईस्ट जोन कोऑर्डिनेटर महेंद्र अग्रवाल, साउथ जोन की जोनल कोऑर्डिनेटर अलका मिंडा, नॉर्थ जोन कोऑर्डिनेटर सुनील चोखानी, सेंट्रल जोन के अजय तुलसियाँन एवं जोनल हेड सुरेश टंडन, कोठापेट शाखा के अध्यक्ष अशोक जिंदल, अग्रवंशी शाखा के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल तथा कपिल गर्ग विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने समाज बंधुओं को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकता एवं संगठन की मजबूती पर बल दिया।

मलकपेट शाखा के सलाहकार एवं कार्यक्रम संयोजक लाजपत राय गुप्ता के संयोजन में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यार्थियों को सिल्वर कॉइन एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के प्रायोजक सतीश बंसल रहे। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में विधि अग्रवाल, हितेश मोदी, राशि अग्रवाल, दिया अग्रवाल, श्रेया मोदी, चंचल गोयल, श्रीमती दिव्या बंसल एवं आरुषि अग्रवाल शामिल रहे।

कार्यक्रम का कुशल संचालन रेखा अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन दिनेश गोयल ने प्रस्तुत किया। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक सुरेश गोयल, दिनेश गोयल, गोविंद अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। युवा मोर्चा शाखा की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में शानदार आतिशबाजी का आयोजन किया गया।

इसके पश्चात सभी समाज बंधुओं ने एक साथ बैठकर अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग एवं पारिवारिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

जॉली फोनिक्स की शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित



करनाल, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रिटेन की प्रसिद्ध संस्था जॉली लर्निंग लिमिटेड द्वारा विकसित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अंग्रेजी साक्षरता कार्यक्रम 'जॉली फोनिक्स' की ओर से 15 नवंबर, 2026 को करनाल स्थित दयाल सिंह स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला भारत के 10 शहरों में आयोजित किए जा रहे जॉली लर्निंग के विशेष प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा थी। इसका उद्देश्य प्रभावी एवं रोचक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से बच्चों में अंग्रेजी भाषा की बुनियादी साक्षरता को मजबूत बनाना है।

कार्यशाला में विभिन्न शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस दौरान छोटे बच्चों में पढ़ने, लिखने और शब्दों की सही वर्तनी विकसित करने के लिए व्यावहारिक एवं शोध आधारित शिक्षण विधियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में व्यवस्थित सिंथेटिक फोनिक्स पद्धति पर विशेष जोर दिया गया। इस पद्धति के अंतर्गत बच्चों को अक्षरों की ध्वनियों की पहचान करना, ध्वनियों को जोड़कर शब्द पढ़ना तथा शब्दों को अलग-अलग ध्वनियों में विभाजित कर सही वर्तनी लिखना सिखाया जाता है।

प्रारंभिक साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जॉली लर्निंग के संस्थापक एवं जॉली फोनिक्स के प्रकाशक क्रिस जॉली ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को आत्मविश्वास के साथ पढ़ने और लिखने का अवसर मिलना चाहिए।

इसकी शुरुआत शिक्षकों को कम उम्र से ही बच्चों को साक्षरता सिखाने के लिए व्यावहारिक एवं प्रभावी तरीकों से प्रशिक्षित करने से होती है। ध्वनियों, क्रियाओं, कहानियों और विभिन्न गतिविधियों के समन्वय से जॉली फोनिक्स सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक बनाता है तथा शिक्षकों को बच्चों की प्रगति में सहयोग करने के लिए एक व्यवस्थित शिक्षण पद्धति प्रदान करता है।

हनुमान बाबा महाराज ने भामाशाह चंद्रेश हर्ष को दिया आशीर्वाद



बीकानेर, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीजी ग्रुप की ओर से शिव-पार्वती भवन में आयोजित भक्तमाल रास कथा के दौरान श्रीधाम बरसाना के हनुमान बाबा महाराज ने क्यूबेशन फाउंडेशन के फाउंडर डायरेक्टर एवं भामाशाह चंद्रेश हर्ष को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर हनुमान बाबा महाराज ने दुपट्टा, माला एवं श्रीफल भेंट कर हर्ष का सम्मान किया।

हनुमान बाबा महाराज ने भामाशाह चंद्रेश हर्ष के धर्म-अध्यात्म और सनातन संस्कृति से जुड़े कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे पिछले कई वर्षों से सनातन संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार से जुड़े आयोजनों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं।

साथ ही फाउंडेशन के माध्यम से बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। यह धार्मिक और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण है।

इस अवसर पर चंद्रेश हर्ष ने हनुमान बाबा महाराज का बीकानेर जो कि छोटीकाशी नाम से मशहूर है, धर्मप्रेमियों की ओर से स्वागत-अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों को सफल बनाने में सहयोगी बनना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ का छठ महापर्व संपन्न

कर्मनघाट हनुमान मंदिर में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय छठ पूजा का समापन, चेयरमैन एन.के. सिंह के नेतृत्व में हुआ आयोजन



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर भारतीय नागरिक संघ द्वारा चेयरमैन एन.के. सिंह के नेतृत्व में आयोजित आस्था एवं लोकविश्वास के महापर्व छठ पूजा का चार दिवसीय आयोजन कर्मनघाट स्थित हनुमान मंदिर परिसर में उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया की पूजा-अर्चना कर छठ व्रत का पारण एवं समापन किया।

इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना राज्य सड़क विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री मल्लारेड्डी राम रेड्डी उपस्थित हुए। उनके साथ कांग्रेस पार्टी की रंगारेड्डी जिला अध्यक्ष चिगुरिंथा पारिजात, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दार्चर्ला पल्ली श्रीपाल रेड्डी, पूर्व पार्षद मुद्राबोइना श्रीनिवास राव, मंदिर के पूर्व अध्यक्ष नल्ला रघुमारेड्डी, कृषि बाजार समिति (एएमसी) के पूर्व निदेशक पन्याला जयपाल रेड्डी, चंपापेट डिवीजन कांग्रेस अध्यक्ष नोमुला रविंदर गौड़, मंदिर के पूर्व धर्मकर्ता टोकाटी किरण, नेता करुकोंडा शिवा सहित उत्तर भारतीय नागरिक संघ के प्रतिनिधि, श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मल्लारेड्डी राम रेड्डी एवं उनके सहयोगियों ने भगवान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह ने उपस्थित अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर चेयरमैन एन.के. सिंह ने भी अपने परिवार के साथ विधि-विधानपूर्वक भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया तथा भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया से देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

चार दिवसीय इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ भाग लिया। सभी ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया की आराधना की। इस अवसर पर सर्वश्री एन.के. सिंह (चेयरमैन), श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, अमरजीत सिंह, नेहा सिंह, डी.के. तिवारी, नरेंद्र भगत एवं पं. सुखेंद्र शास्त्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर छठ व्रत का समापन किया।

नई सीसी सड़क का उद्घाटन



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीयागुड़ा डिवीजन के केशवस्वामी नगर में शिवाजी प्रतिमा से नालंदा स्कूल के पास मुख्य सड़क तक नवनिर्मित सीसी सड़क का उद्घाटन पूर्व कॉर्पोरेटर बोहिनी दर्शन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने किया।

इस अवसर पर बोहिनी दर्शन ने कहा कि पुरानी सड़क जर्जर होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। नई सड़क से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नई ड्रेनेज लाइन बिछाने के बाद सीसी सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में टीडीपी नेता कलेरू नर्सिंग राव, भाजपा नेता एन. जगदीश, श्रीनाथ गौड़, मुरली, डी. सत्यनारायण, आरएसएस नेता अमरनाथ, स्वादायी बलराज, जलमंडल के तकनीकी अधिकारी जहांगीर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 17°

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.